● जयपुर, रविवार, 28 जुलाई 24 ● वर्ष 13 ● अंक 330 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 आरएसआरडीसी में टोल के मोल में भारी फर्जीवाडा...
पेज @4 राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग को लेकर अधीर...
पेज @8 » राष्ट्रीय कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत...

हरिभाऊ किसनराव बागडे होंगे राजस्थान के नए राज्यपाल

ओम माथुर सिक्किम के राज्यपाल,गुलाबचंद कटारिया पंजाब के राज्यपाल

चमकता राजस्थान

जयपुर. देश में राजस्थान सहित नौ राज्यों में नए राज्यपालों की नियुक्ति की गई है। सूची के अनुसार छह नेताओं को राज्यपाल बनाया गया है, जबकि अन्य राज्यों में राज्यपालों का तबादला किया गया है। इस बारे में राष्ट्रपति भवन की ओर से विज्ञप्ति जारी की गई।

महाराष्ट्र विधानसभा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हरिभाऊ किसनराव बागड़े को राजस्थान का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया

हरिभाऊ किसनराव बागड़े

ओम प्रकाश माथुर

हरिभाऊ बागड़े कलराज मिश्र की जगह लेंगे. राष्ट्रपति भवन ने शनिवार रात को बताया कि ये नियुक्ति उनके संबंधित कार्यालय का कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होंगी.

राजस्थान समेत नौ राज्यों में राज्यपाल की नियुक्ति हुई है.राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, झारखंड समेत कई राज्यों के राज्यपाल और पुडुचेरी में उपराज्यपाल की नई नियुक्ति को मंजूरी दी है. हरिभाऊ किसनराव बागडे राजस्थान के नए राज्यपाल होंगे. वहीं असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया अब होंगे पंजाब के राज्यपाल. ओम प्रकाश माथुर को किया गया सिक्किम का नया राज्यपाल नियुक्त. कटारिया को चंडीगढ़ प्रशासक की भी अतिरिक्त जिम्मेदारी जिष्णु देव को बनाया गया तेलंगाना का राज्यपाल.सी पी राधाकृष्ण को झारखंड से महाराष्ट्र की दी गई जिम्मेदारी.सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य अब होंगे असम के नये राज्यपाल .संतोष कुमार गंगवार को झारखंड, रमन डेका को छत्तीसगढ़ और सी.एच. विजयशंकर को मेघालय का राज्यपाल किया नियुक्त .के. कैलाशनाथ को बनाया गया पुडुचेरी का उपराज्यपाल .

कौन है हरिभाऊ बागड़े

- हरिभाऊ का जन्म औरंगाबाद के चित्तेपिम्पलगांव में हुआ था.
- महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष पद पर आसीन रहे है.
- हरिभाऊ औरंगाबाद जिले की फुलंब्री विधानसभा सीट से 5 बार विधायक रहे है.
- हरिभाऊ को नाना नाम से भी जाना जाता है.
- हरिभाऊ 13 वर्ष की उम्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बने.
- वह बेहद गरीब परिवार से आते हैं. आजीविका चलाने के लिए कई सालों तक औरंगाबाद के फुलंब्री में अखबार भी बेचा.
- उनकी लोकप्रियता को देख बीजेपी ने उन्हें 1985 में पहली बार विधानसभा का टिकट दिया.
- महाराष्ट्र सरकार में रोजगार मंत्री के पद पर भी रहे है.
- उन्होंने औरंगाबाद स्थित अपने घर का नाम कृषि योग रखा.

न्यूज़ अपडेट

राजस्थान : अग्निवीरों को राज्य पुलिस, जेल प्रहरी और वनरक्षक के रूप में मिलेगा आरक्षण

जयपुर/एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई) के अवसर पर सेना के अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि समर्पण और राष्ट्र भक्ति की भावना से देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले अग्निवीरों के लिए राजस्थान सरकार ने राज्य पुलिस, जेल प्रहरी और वनरक्षक के रूप में आरक्षण का प्रावधान रखा है।भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार के इस फैसले से अग्निवीरों को देश की सेवा के बाद प्रदेश में भी काम करने का अवसर प्राप्त होगा।

2016 के ड्रग मामले में ममता कुलकर्णी को बॉम्बे हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली

मुंबई/एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बॉलीवुड स्टार ममता कुलकर्णी के खिलाफ 2,000 करोड़ रुपये के ड्रग तस्करी मामले को खारिज कर दिया है। अभिनेत्री पर अपने पति विक्की गोस्वामी के साथ ड्रग्स तस्करी का आरोप था। कोर्ट ने कहा कि ममता के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं हैं..इसलिए केस बंद किया जाता है। जस्टिस भारती डांगरे और जस्टिस मंजूषा देशमुख की बेंच ने कुलकर्णी के खिलाफ ड्रग केस को खारिज कर दिया है।अभिनेत्री ने अपने पति के साथ केन्या में बसने से पहले लगभग 50 हिंदी फिल्मों में काम किया है। अभिनेत्री का पति विक्की गोस्वामी एक ड्रग माफिया है, जो नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के तहत नियंत्रित पदार्थ इफेड्रिन के निर्माण और खरीद के पीछे है।

विजय माल्या पर सेबी का बड़ा एक्शन, 3 सालों तक शेयर बाजार में डील करने पर लगा बैन

नई दिल्ली/एजेंसी। शेयर बाजार के रेग्यूलेटर सिक्योरिटीज एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने विजया माल्या के भारतीय सिक्योरिटीज मार्केट में लेन-देन करने पर तीन सालों के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। सेबी ने कहा है, विजय माल्या के सिक्योरिटीज मार्केट को एक्सेस करने पर रोक लगाई जाती है साथ ही प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर सिक्योरिटीज के खरीदने, बेचने या किसी भी प्रकार की डीलिंग करने या सिक्योरिटीज मार्केट के साथ किसी भी प्रकार से जुडने़ पर अगले तीन सालों तक के लिए प्रतिबंध लगाया जाता है। सेबी ने जारी अपने आदेश में कहा, विजय माल्या किसी भी हैसियत में लिस्टेड कंपनी या कोई भी प्रस्तावित लिस्टेड कंपनी के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर आदेश के जारी होने की तारीख से लेकर अगले तीन सालों तक नहीं जुड़े रहेंगे।

विपक्षी राज्यों के बहिष्कार के बीच हुई नीति आयोग की बैठक

विकसित भारत 2047 तक हर भारतीय का लक्ष्य : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना हर भारतीय की महत्वाकांक्षा है और राज्य इस लक्ष्य को हासिल करने में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं क्योंकि वे लोगों से सीधे जुड़े हुए हैं। मोदी नीति आयोग की नौवीं शासी परिषद की बैठक में यह कहा।

नीति आयोग की बैठक में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके नेता एमके स्टालिन के साथ-साथ केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली पंजाब और दिल्ली सरकार ने हिस्सा नहीं लिया, जबकि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बैठक में शामिल हुई, लेकिन बीच में ही बाहर आ गईं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पांच मिनट बोलने के बाद रोक दिया गया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी बैठक में शामिल नहीं हुए।

आयोग ने मोदी के हवाले से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'भारत को 20247 तक विकसित राष्ट्र बनाना हर भारतीय की महत्वाकांक्षा है। राज्य इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं क्योंकि वे लोगों से सीधे जुड़े हुए हैं।' उन्होंने कहा कि यह दशक तकनीकी और भू-राजनीतिक बदलावों के साथ-साथ अवसरों का भी है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत को इन अवसरों का लाभ उठाना चाहिए और अपनी नीतियों को अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए अनुकूल बनाना चाहिए। यह भारत को एक विकसित देश बनाने की दिशा में प्रगति का रास्ता है।'

बैठक 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने पर केंद्रित है। इस बैठक का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच सहभागी संचालन तथा सहयोग को बढ़ावा देना, वितरण तंत्र को मजबूत करके ग्रामीण और शहरी दोनों आबादी के लिए जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना है। बैठक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों के अलावा पदेन सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में केंद्रीय मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष तथा सदस्यों ने भाग लिया।

● **लक्ष्य को हासिल करने में राज्यों की भूमिका अहम होगी**

बैठक से विरोध स्वरूप बाहर निकलीं ममता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को राजधानी में नीति आयोग की बैठक में शामिल हुईं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बैठक बीच में ही छोड़कर बाहर निकल गईं। सुश्री बनर्जी ने बाहर आकर मीडियाकर्मियों से कहा उन्होंने कार्यवाही के संचालन को लेकर अपना विरोध जताते हुए बैठक से निकली से। बैठक का विपक्षी इंडिया समूह के घोषित बायकाट के बावजूद इसमें शामिल होने दिल्ली आयीं मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि बैठक में उन्हें बोलने का पूरा मौका नहीं दिया गया। सुश्री बनर्जी ने कहा, 'ये कैसे चल सकता है?'

निर्मला सीतारमण ने ममता के दावे को किया खारिज

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के माइक्रोफोन बंद करने के दावे को खारिज करते हुए कहा कि नीति आयोग की बैठक में प्रत्येक मुख्यमंत्री को बोलने के लिए उचित समय आवंटित किया गया था। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नीति आयोग की बैठक में शामिल हुईं। हम सभी ने उनकी बात सुनी। प्रत्येक मुख्यमंत्री को आवंटित समय दिया गया था और यह स्क्रीन पर दिखाया गया था, जो हर टेबल के सामने मौजूद थी। हम देख सकते थे कि दो टेबल के सामने स्क्रीन थी। उन्होंने मीडिया में कहा कि उनका माइक बंद था। यह पूरी तरह से झूठ है। हर मुख्यमंत्री को बोलने के लिए उचित समय दिया गया था। सीतारमण ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री इस तरह के दावे कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इस बात से खुश है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बैठक में शामिल हुईं और उन्होंने कहा कि वह विपक्ष यानी आईएनडीआईए ब्लॉक की ओर से बोल रही हैं।

नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल

चमकता राजस्थान

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित 'मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री परिषद' की बैठक हुईं।

बैठक में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ,मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं अन्य प्रदेशों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल से मुलाक़ात

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल से भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मुलाकात कर राजस्थान प्रदेश प्रभारी की नवीन जिम्मेदारी हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सेना और आतंकियों के बीच भीषण मुठभेड़

मेजर समेत 4 जवान जख्मी, 1 शहीद

कुपवाड़ा/एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ चल रही है। बताया जा रहा है कि इलाके में कई आतंकी छिपे हैं। जवानों ने मुठभेड़ में एक आतंकी को मार गिरया है। अब रक्षा अधिकारियों ने जानकारी दी है कि मुठभेड़ में चार जवान घायल हुए हैं, जिनमें एक मेजर रैंक के अधिकारी भी हैं। एक जवान शहीद हो गया है।

मुठभेड़ पर भारतीय सेना की तरफ से बयान भी आया है। सेना ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में माछिल सेक्टर स्थित कामकारी में फॉर्वर्ड पोस्ट पर अज्ञात कर्मियों के साथ गोलीबारी हुई। सेना के मुताबिक, इस गोलीबारी में एक पाकिस्तानी मारा गया है, जबकि घायल जवानों को मौके से सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। सुरक्षा बलों को कुपवाड़ा में आतंकियों के छिपे होने की पहले ही जानकारी मिली थी। यहां पिछले कई दिनों से सेना एंटी टेरर ऑपरेशन चला रही है।

भारत ने बढ़ाई चीन की टेंशन

लद्दाख में बनेगी दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग

नई दिल्ली/एजेंसी।

लद्दाख में दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग का काम शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश और केंद्र-शासित प्रदेश लद्दाख के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी सुविधा प्रदान करने वाली सुरंग के निर्माण के लिए 'पहला विस्फोट' किया। निर्माण पूरा होने के बाद यह दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग होगी। शिंकुन ला सुरंग न केवल हमारे सशस्त्र बलों और उपकरणों की तेज एवं कुशल आवाजाही सुनिश्चित करेगी, बल्कि लद्दाख में आर्थिक और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा देगी। शिंकुन ला सुरंग परियोजना में 4.1 किलोमीटर लंबी दोहरी-ट्यूब सुरंग शामिल है। इसका निर्माण निमू-पदुम-दारचा रोड पर लगभग 15,800 फुट की ऊंचाई पर किया जाएगा। शिंकुन ला सुरंग प्रोजेक्ट के 4 साल में पूरा होने का अनुमान है। सुरंग पश्चिमी लद्दाख और जस्कर घाटी के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगी।

वर्तमान में चीन की मीला टनल 15590 फीट की ऊंचाई पर है। नई सुरंग लंबी दूरी से की जाने वाली बमबारी या मिसाइल हमलों को झेलने में सक्षम होगी। इस तरह युद्ध की स्थिति में इसका इस्तेमाल बंकर के रूप में भी किया जा सकेगा। सुरंग के निर्माण के बाद मनाली और लेह के बीच दूरी 60 किलोमीटर कम हो जाएगी। इस सुरंग के निर्माण पर 1681 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। चीन और पाकिस्तान की तरफ से किसी भी तरह के हमले की स्थिति में सीमा तक सेना के लिए रसद और हथियार पहुंचाने में आसानी होगी।

हिमाचल प्रदेश में आपदा प्रबंधन और न्यूनीकरण

समग्र हिमालय की तरह हिमाचल प्रदेश भी जलवायु परिवर्तन के इस दौर में लगातार आपदाओं की चपेट में आता जा रहा है। गत वर्ष की तबाही को अभी तक प्रदेश भूल नहीं पाया है। आपदा प्रभावितों के जख्मों पर अभी तक भी पूरी तरह से मरहम नहीं लगाया जा सका है। प्रदेश की कमजोर आर्थिकी और केंद्रीय सहायता के इंतजार में बहुत काम लटका पड़ा है। खासकर जिनके मकानों के नीचे की जमीन भी क्षतिग्रस्त हो गई है, उन्हें वन संरक्षण अधिनियम के चलते वैकल्पिक जमीन देना भी असंभव बना हुआ है। हिमाचल प्रदेश का 67 प्रतिशत भूभाग वन भूमि है, जिसका भूमि उपयोग बदलना टेढ़ी खीर बना हुआ है। गत वर्ष दो हजार घर पूरी तरह से तबाह हो गए थे और नौ हजार आंशिक रूप से तबाह हुए। 400 से अधिक मूल्यवान जीवनकाल का ग्रास बन गए थे। बाढ़ और भू-स्खलन का यह दौर चाहे जलवायु परिवर्तन के चलते भयंकर स्थिति में पहुंच गया हो या अवैज्ञानिक निर्माण कार्यों के कारण, दोनों ही मामलों में ये आपदाएं मानव निर्मित ज्यादा हैं और प्राकृतिक कम। हालांकि, हम इन्हें प्राकृतिक आपदाएं कह कर अपनी गलतियों को छुपाने की कोशिश करते रहते हैं।

बाढ़ और भू-स्खलन प्राकृतिक तौर पर भी आते रहते हैं, किंतु मानव निर्मित कारणों से ये घटनाएं भयानक बन जाती हैं। जलवायु परिवर्तन भी तो मानव निर्मित आपदा ही है। पिछले डेढ़-दो सौ वर्षों की औद्योगिक क्रांति के बाद के वर्षों में वायुमंडल में हरित प्रभाव पैदा करने वाली कार्बन डाई ऑक्साइड और मीथेन जैसी गैसों के उत्सर्जन के कारण ही तो वैश्विक तापमान में वृद्धि हुई है, जो जलवायु परिवर्तन द्वारा अतिवृष्टि, अनावृष्टि और ग्लेशियरों के पिघलने का कारण बन रही है। ग्लेशियर पिघलने के कारण हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर के भाग टूट कर और कुछ मलबा मिश्रण घाटियों में फंस कर कृत्रिम झीलों का निर्माण करता है। ये झीलें अचानक टूट जाती हैं और नीचे भयानक बाढ़ की विभीषिका का मंजर पेश होता है। 90 के दशक में पारछू नदी के उद्गम के नीचे बनी झील के टूटने से सतलुज नदी में आई भयानक बाढ़ ने बड़ी तबाही मचाई थी। पिछले साल हुई तबाही में कई जगह बादल फटने की घटनाएं भी कारण बनीं। जब 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में एक घंटे में 10 सेंटीमीटर या इससे अधिक बारिश हो जाए, तो उसे बादल फटना कहा जाता है। ये बादल फटने की घटनाएं भी वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण ही बढ़ी हैं।

अब जलवायु परिवर्तन एक सच्चाई बन चुका है। इसलिए हमें हिमालय में निर्माण कार्य इस खतरे को ध्यान में रख कर ही उचित सावधानी से करने चाहिए, क्योंकि हिमालय पर दोहरा खतरा है। एक तो जलवायु परिवर्तन के कारण अतिवृष्टि और ग्लेशियर पिघलने के कारण आने वाली बाढ़ों का खतरा बढ़ जाता है। दूसरे, हिमालय एक कम उम्र का पहाड़ है, जो अभी तक भी बन रहा है। इस कारण कमजोर और भुरभुरा है। भारी बारिश की मार न सह सकने के कारण भू-स्खलन का शिकार हो जाता है। ऐसे नाजुक भू-स्थल को जब अंधाधुंध तोड़फोड़ का शिकार बनाया जाता है, तो भू-स्खलन की तबाही आ जाती है। जब ये भू-स्खलन का मलबा नदी नालों में पंहुचता है, तो उनका तल ऊपर उठ जाता है, जिससे पानी और बाढ़ का बहाव अप्रत्याशित रूप से ऊपर तक तबाही मचा देता है। इस दृष्टि से जल विद्युत के लिए बांध, सुरंगें, चौड़ी सडकें बनाने के लिए निकला मलबा ढलानों पर फेंके जाने से तबाही को बढ़ाने का कार्य करता है। इन निर्माण कार्यों के लिए भारी मात्रा में वृक्ष कटान भी होता है, जो कमजोर भू-स्थल को और कमजोर कर देता है। खनन कार्य भी इसी तरह तबाही का कारण बनता है।

ये सभी कार्य एक ओर तो प्रकृति विध्वंस का कारण बनते हैं और दूसरी ओर सरकारी और इन निर्माण और खनन से जुड़े लोगों के लिए आय का साधन होते हैं। विकास के लिए इनका होना जरूरी माना जाता है। इस तरह जो स्थानीय जनता इस तबाही से त्रस्त होती है, वह इनका विरोध करती है और जो इससे लाभान्वित होते हैं, वे इसके पक्ष में खड़े होते हैं, जिससे समाज में आपसी टकराव भी हो जाते हैं। जैसे टिहरी बांध निर्माण के समय बांध विरोधी और बांध समर्थक दो हिस्सों में उस प्रभावित क्षेत्र की जनता बंट गई थी, जो विस्थापित हो जाते हैं, उनकी त्रसदी तो अनंत होती है और कुछ पीढ़ियों तक विस्थापन का दंश उनको झेलना पड़ता है। इस द्वंद्व में हिमालय क्षेत्र फंसा हुआ है। एक तरफ गड्ढा और एक तरफ खाई वाली स्थिति है, जिससे निकलना देश और हिमालय के स्थानीय हित के लिए जरूरी है। हिमालय देश के लिए पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ मिटटी दे कर जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी हवा, पानी और भोजन की सुरक्षा की व्यवस्था करता है। हिमालय की इन पर्यावरणीय सेवाओं को बनाए रखकर ही देश और हिमालय क्षेत्र के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है। इसलिए हिमालय के पर्यावरणीय तंत्र को सुरक्षित रखना और विकास के कार्यों में आपसी विरोधाभास समाप्त करना ही मुक्ति का मार्ग है। हमारी निर्माण गतिविधियों को वैकल्पिक तकनीकों द्वारा पर्वत विशिष्ट मॉडल के रूप में विकसित करना होगा। सड़क निर्माण से लेकर जल विद्युत तक। उदाहरण के लिए सड़क निर्माण कट एंड फिल तकनीक से करके डंपिंग से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। हालांकि, पर्यटन भी ऐसे क्षेत्र के रूप में उभर रहा है, जो स्थानीय आजीविका के लिए जरूरी आधार बनता जा रहा है, किंतु इसके कारण भी पहाड़ी ढलानों पर बढ़ते बोझ और कचरा प्रदूषण के चलते इसका भी नियमन किया जाना चाहिए।

इस व्यवसाय से जुड़े कुछ संवेदनशील लोग उत्तरदायी पर्यटन की अवधारणा के विकास और लागू करने की बात कर रहे हैं। इससे पर्यावरण की सुरक्षा के साथ-साथ पर्यटन व्यवसाय का टिकाऊपन भी सुनिश्चित हो सकेगा। मंडी और कुल्लू जिलों में कुछ समूह इस दिशा में कार्यरत हैं। इन सावधानियों के साथ विकास को देखना आपदाओं को कम करने में मददगार होगा। फिर भी कुछ आपदाओं की संभावना तो बनी ही रहेगी, जिसके लिए आपदा प्रबंधन व्यवस्था को चाक-चौबंद करना होगा। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के रूप में अच्छा कार्य हो रहा है, किंतु तत्काल राहत के लिए स्थानीय समुदायों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला मंडलों, युवा मंडलों, पंचायतों को जागरूक करना और प्रशिक्षित करना होगा, ताकि जब तक प्रशिक्षित संगठन आपदा ग्रस्त स्थान पर पहुंचे तब तक तात्कालिक सहायता उपलब्ध हो सके।

आधुनिकता में विदेशी जीवनमूल्यों का प्रवाह

हृदयनारायण दीक्षित

आधुनिकता प्रायः आकर्षण होती है। नई होती है और ताजी प्रतीत होती है। लेकिन वास्तविक आधुनिकता विचारणीय है। आधुनिकता नकली भी होती है। दरअसल आधुनिकता स्वयं में कोई निरपेक्ष आदर्श या व्यवहार नहीं है। इसका सीधा अर्थ ही प्राचीनता का अनुवर्ती है। आधुनिकता प्राचीनता के बाद ही आती है। इसलिए हरेक आधुनिकता की एक सुनिश्चित प्राचीनता होती है। इसी तरह प्राचीनता की भी और प्राचीनता होती है। आधुनिकता को और आधुनिक कहने के लिए उत्तर आधुनिकता शब्द का चलन बढ़ा भी है। सच बात तो यही है कि प्राचीनता और आधुनिकता के विभाजन ही कृत्रिम हैं। काल अखण्ड सत्ता है। काल में न कुछ प्राचीन है और न ही आधुनिक। हम मनुष्य ही काल संगति में प्राचीनता या नवीनता के विवेचन करते हैं। प्राचीनता ही अपने अद्यतन विस्तार में नवीनता और आधुनिकता है। हम आधुनिक मनुष्य अपने पूर्वजों का ही विस्तार हैं। वे भी अपनी विषम परिस्थितियों में अपने पूर्वजों से प्राप्त जीवन मूल्यों को झाड़ पोछकर अपने समय की आधुनिकता गढ़ रहे थे। ऐसा कार्य सतत प्रवाही रहता है। गतिशील समाज वर्तमान से संतुष्ट नहीं रहते। वे उसे और सुंदर बनाने के स्वप्न देखते हैं। कर्म भी करते हैं। वे राजव्यवस्था से भी संतुष्ट नहीं होते। जनतंत्री देशों में चुनाव होते हैं। राजव्यवस्था के कर्ताधर्ता एक निश्चित अवधि बाद चुनाव में जाते हैं। समाज उन्हें बदल देता है या फिर से उन्हें ही काम करने का जनादेश देता है। लेकिन समाज व्यवस्था के बदलने का कोई चुनाव नहीं होता। सामाजिक असंतोष को दूर करने का समयबद्ध उपाय नहीं है। सत्य की प्रतिष्ठा शाश्वत जीवन मूल्य है। असहमति के आदर से समाज की गतिशीलता बढ़ती है। सभी संस्कृतियों में प्राचीन के साथ संवाद की परंपरा है। लेकिन कथित प्रगतिवादी प्राचीन को कालवा' बताते हैं। लेकिन सारा पुराना कालवा' कूड़ा करकट नहीं होता। वह पूरा का पूरा बदली परिस्थितियों में उपयोगी भी नहीं होता। पुराने के गर्भ से ही नया निकलता है। नवजात में पुराने के अंश भी होते हैं। सत्य, शिव और सुंदर के लिए कर्म चला करते हैं। इन्हीं तीनों की त्रयी विवेचन का मूल आधार बनती है। आधुनिकता का आग्रह स्वाभाविक है। लेकिन स्वाभाविक आधुनिकता भी प्राचीनता के गर्भ से ही आती है। हमें जीवन मूल्यों का आयात नहीं करना चाहिए। यों आधुनिकता कोई जीवन मूल्य नहीं है और प्राचीनता भी नहीं। दोनों समय और परिस्थिति का ही बोध कराते हैं।

विज्ञान और दर्शन के विकास ने देखने और सोचने की नई दृष्टि दी है। इससे प्राचीनता को सुंदर नूतन परिधान मिले हैं। ऋग्वेद प्राचीनतम ज्ञान कोष है। हम ऋग्वेद के समाज को प्राचीन कहते हैं। ऐसा उचित भी है। ऋग्वेद में उसके भी पहले के समाज का वर्णन है। ऋग्वेद जैसा मनोरम दर्शन और काव्य अचानक नहीं उगा। निश्चित ही उसके पहले भी दर्शन और विज्ञान के तमाम सूत्र थे। वैदिक पूर्वजों ने अपने पूर्वजों से प्राप्त परंपरा का विकास किया। ऋग्वेद की कविता वैदिक काल की आधुनिकता का दर्शन-दिग्दर्शन है। यही बात उपनिषद् और महाकाव्य काल पर भी लागू होती है। महाभारत में धर्म, सत्य और लोकव्यवहार की मान्यताएं बदल गई हैं। इसीलिए उसी समय गीता दर्शन का उदय हुआ। अर्जुन ने उस समय विद्यमान तमाम प्रश्नों और चुनौतियों को मौलिक प्रश्न बनाया। श्रीकृष्ण ने उनके उत्तर दिये। महाभारत काल के लोग गीता दर्शन के उदय को आधुनिक काल कहते थे। श्रीमद् भागवत उसी समय की आधुनिकता का भाव प्रवण चित्रण हैं। इसमें प्रेमरस, भावरस और भक्ति रस का प्रीतिपूर्ण प्रवाह है। लेकिन महाभारत काल की आधुनिकता में भी वैदिक परंपरा की निरंतरता है। सांस्कृतिक निरंतरता पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। असली बात सांस्कृतिक निरंतरता है। वैदिक काल की निरंतरता का विकास हड़प्पा सभ्यता है। इसे स्वतंत्र सभ्यता बताने वाले गलती पर हैं। कोई भी सभ्यता या संस्कृति शून्य से नहीं उगती। हड़प्पा की सभ्यता नगरीय सभ्यता है। नगरीय जीवन खाद्यान्न सहित तमाम मूलभूत आवश्यकताओं के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर निर्भर होते हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था या खेती किसानी के विकास का भी इतिहास है। कौटिल्य का 'अर्थशास्त्र' ईसा के लगभग 325 वर्ष पूर्व की सूचना देता है। इस अर्थशास्त्र में भी वैदिक दर्शन की परंपरा है। 'अर्थशास्त्र' के रचनाकाल का समाज भी अपने समय आधुनिक ही था। अब वह स्वाभाविक ही प्राचीनकाल का भाग है। आधुनिक भारत का समाज प्राचीन भारत के पूर्वजों के सचेत या अचेत परिश्रम का परिणाम है। आधुनिकता में प्राचीनता की चेतना होनी चाहिए लेकिन अंग्रेजी राज के दीर्घकाल में प्राचीनता को अंधविश्वास और पिछड़ापन बताया गया। पूर्वज आर्यों को भी विदेशी पढ़ाया गया। एक अस्वाभाविक आधुनिकता का विकास किया गया। बावजूद इसके कि अनेक यूरोपीय विद्वान भी भारतीय दर्शन और संस्कृति के पक्षधर थे, लेकिन अंग्रेजी सत्ता संस्कृतिहीन समाज बना रही थी। उन्होंने स्वयं को आधुनिक बताया और भारतीय सभ्यता को पिछड़ा।

आधुनिकता भारतीय प्राचीनता की ही पुत्री है। प्राचीनता मां है और आधुनिकता पुत्री। माता पूज्य है और पुत्री आदरणीय। दोनो स्वतंत्र सत्ता नहीं हैं। आधुनिकता को यथासंभव मां के सद्गुणों का अवलम्बन करना चाहिए और देशकाल परिस्थिति के अनुसार स्वयं का पुनर्सृजन व विकास भी करना चाहिए। प्राचीनता पिछड़ापन नहीं है। प्राचीनता का विवेचन जरूरी है। प्राचीनता की गतिशीलता में ही हम आधुनिक होते हैं। गति के साथ अनुकूलन करना और अनुकूलन व अनुसरण में ही प्रगतिशील होते जाना काल का आह्वान है। वर्तमान समाज व्यवस्था व जीवन शैली संतोषजनक नहीं है। इसका मुख्य कारण प्राचीनता से अलगाव है। आयातित आधुनिकता ने हमारी स्वाभाविक संस्थाएं भी तोड़ी हैं। परिवार, प्रीति और आत्मीयता के बंधन टूट रहे हैं। असंतोष विषाद बन रहा है और विषाद अवसाद। इसलिए लोकमत निर्माण में लगे सभी विद्वानों, पत्रकारों, साहित्यकारों, सामाजिक कार्यकर्ता और मूल्यनिष्ठ राजनेताओं को ध्येयनिष्ठ, स्वाभाविक आधुनिकता के सृजन में जुटना चाहिए।

भारतीय प्राचीनता और परंपरा से ही आधुनिकता का विस्तार होता तो हम अपने जीवन मूल्यों और संस्कृति के प्रति आग्रही भाव में आधुनिक होते लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमारी आधुनिकता 'वास्तविक' नहीं है। यह उधार की है। विदेशी है। यह विदेशी सत्ता के प्रभाव में विकसित हुई है। भारत की स्वाभाविक आधुनिकता के विकास के लिए विवेकानंद, दयानंद, गांधी, डॉ. हेडगेवार और डॉ. आम्बेडकर, पं. दीनदयाल उपाध्याय आदि सामाजिक कार्यकर्ताओं ने तमाम प्रयास किए।

लोकमत का परिष्कार और संस्कार भी हुआ। इसके तमाम सकारात्मक लाभ भी हुए। विश्व सम्पर्क से भारत की समझ भी बढ़ी। भारतीय सम्पर्क से विश्व का भी ज्ञानवर्द्धन भी हुआ लेकिन भारत में लोकमत के संस्कार का काम संतोषजनक नहीं है। हम भारत के लोग बहुधा दुनिया के अन्य देशों की जीवनशैली की प्रशंसा करते हैं। विदेशी सभ्यता को अपनी सभ्यता से श्रेष्ठ बताने वाले भी हैं यहां। संप्रति भारतीय आधुनिकता भारतीय नहीं जान पड़ती। यह प्राचीनता का स्वाभाविक विस्तार नहीं है। इस आधुनिकता में विदेशी जीवनमूल्यों का प्रवाह है। यह भारत के स्वयं को आत्महीन बना रही है। इसलिए मूल परंपरा से संवाद जरूरी है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

अदालत के आदेश से लाखों नीट परीक्षार्थी आहत

मनोज कुमार अग्रवाल

चार जून को मेडिकल प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट घोषित होने के बाद जिस तरह की गड़बड़ियों अनियमितताओं हेराफेरी पेपर लीक होने के मामले एक के बाद एक सामने आए वह इस देश की सबसे महत्त्वपूर्ण मेडिकल शिक्षा में प्रवेश के लिए कई जा रही परीक्षा की शुचिता पर सवालिया निशान खड़ा करती है वरन यह कहना अधिक उचित होगा कि तमाम खामियां उजागर हो गयी हैं लेकिन बहुत विनम्रता और देश की न्यायिक व्यवस्था में पूरी आस्था व सम्मान रखते हुए पूरी जिम्मेदारी के साथ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संविधान प्रदत्त अधिकार के तहत निवेदन करता हूं कि नीट परीक्षा में तमाम गड़बड़ी मनमानी अव्यवस्था और विभिन्न एजेंसियों की जांच के दौरान सामने आए तथ्यों को दरकिनार कर देश की सर्वोच्च अदालत ने जिस तरह का निर्णय दिया वह नितांत निराशा और न्याय की अवधारणा को चोटिल करने वाला प्रतीत होता है। आपको बता दें कि नीट यूजी परीक्षा में करीब 24 लाख अभ्यर्थियों भागीदारी की इस परीक्षा में व्यापक गड़बड़ी और अव्यवस्था देखने को मिली यहां तक कि निर्धारित तिथि से दस दिन पहले चुनाव परिणाम के आपाधापी भरे माहौल में नीट का रिजल्ट घोषित कर मेन स्ट्रीम के ध्यान से बचाव करने की कोशिश की गई। नीट के अभी तक के इतिहास में 720 में से 720 अंक हर साल सिर्फ एक या दो अभ्यर्थी ही ला पाते थे लेकिन इस बार के नीट में 67 छात्रों ने फुल मार्क्स लाकर चौका दिया। चार जून को रिजल्ट घोषित होने के बाद नीट परीक्षा में कई गई कारगुजारियों की पड़ताल शुरू हुई तो पता चला कि हरियाणा के एक ही परिक्षा केंद्र ने 720 में से 720 लाने वाले छह टापर दिए इतना ही नहीं दो ढाई हजार किलोमीटर दूर से आकर कुछ अभ्यर्थियों ने अपने ईचछित परिक्षा केंद्र पर परीक्षा दी इतना ही नहीं एक रिसॉर्ट किराए पर लेकर परीक्षा की पहली रात कुछ अभ्यर्थियों को पेपर हल कराया गया और जांच एजेंसी ने पेपर लीक किए गए पेपर की अधजली प्रति बरामद करने में भी सफलता हासिल की।

तमाम गड़बड़ी की जांच की शुरुआत बिहार से हुई. पटना पुलिस ने परीक्षा में हुई धांधली की जांच की शुरुआत की. पटना पुलिस ने प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की और 11 मई को पेपर लीक माले में 13 लोगों को गिरफ्तार किया.मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा. 17 मई को सुप्रीम कोर्ट ने 5 मई को आयोजित नीट-यूजी 2024 में गड़बड़ियों का आरोप लगाने वाली याचिका पर केंद्र और एनटीए से जवाब मांगा.सुप्रीम कोर्ट ने पेपर लीक समेत अन्य दूसरी गड़बड़ियों के आधार पर नए सिरे से दोबारा से परीक्षा कराने वाली याचिका पर 11 जून को केंद्र और एनटीए से जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट ने 18 जून को

सुनवाई के दौरान कहा कि NEET-UG 2024 परीक्षा के संचालन में किसी की तरफ से लापरवाही हुई हो, लेकिन इससे पूरी तरह निपटा जाना चाहिए.विवाद के बीच केंद्र सरकार ने 22 जून को एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार को हटा दिया और परीक्षा में हुई धांधली की जांच उइक को सौंप दी. 23 जून को उइक ने मामले में पहली ऋक्क दर्ज की।

23 जून को अधिकारियों ने बताया कि नीट-यूजी में पहले ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1,563 उम्मीदवारों में से 813 ने दोबारा परीक्षा दी.27 जून को नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने पहली गिरफ्तारी की. सीबीआई ने पटना से नीट पेपर लीक मामले के आरोपी मनीष प्रकाश और आशुतोष को गिरफ्तार किया.1 जुलाई को एनटीए ने संशोधित परिणाम घोषित किया. जिसके बाद परीक्षा में टॉप रैंक हासिल करने वाले उम्मीदवारों की संख्या 67 से 61 हो गई।

सीबीआई देशभर में लगातार इस मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ और छापेमारी की गई । केंद्रीय एजेंसी ने नीट यूजी पेपर लीक केस में पटना एम्स के चार मेडिकल छात्रों को भी हिरासत में लिया है. पटना एम्स के कार्यकारी निदेशक डॉ. गोपाल कृष्ण पाल के मुताबिक सीबीआई एम्स से चार स्टूडेंट्स से पूछताछ कर रही है। इन पर सॉल्वर के तौर पर काम करने का आरोप है। यही नहीं जांच में पता चला है कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जमशेदपुर (झारखंड) के 2017 बैच के सिविल इंजीनियर पंकज कुमार उर्फ ????आदित्य ने कथित तौर पर हजारीबाग में एनटीए ट्रंक से नीट-यूजी पेपर चुरा लिया था. सीबीआई ने अपनी जांच में पाया कि सात लोगों को प्रश्नपत्र हल करने का काम सौंपा गया था. इन सात लोगों को लगभग 45 मिनट में 25-25 प्रश्न हल करने का काम सौंपा गया था. अब तक 'सॉल्वर मॉड्यूल' के पांच लोगों को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है. नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई ने कुल 16 लोगों को गिरफ्तार किया है।पंकज हजारीबाग से गिरफ्तार किया गया चौथा शख्स है. सीबीआई ने इससे पहले ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल अहसानुल हक, वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज आलम और एक स्थानीय पत्रकार जमालुद्दीन को यहीं से गिरफ्तार किया था. इस दौरान जांच टीम ने स्कूल में तलाशी ली थी सबूत इकट्ठा किए थे।

नीट परीक्षा में गड़बड़ी को ले कर दोबारा परीक्षा पूरी शुचिता के साथ सम्पन्न कराने की मांग को लेकर 40 याचिका दायर की गई। यहां बता दें कि हर छात्र सक्षम नहीं होता है कि वह वकीलों को लाखों की फीस अदा कर सुप्रीम कोर्ट तक न्याय की गुहार करे। चालीस याचिकाकर्ता देश की सबसे बड़ी अदालत से न्याय मांगने पहुंचे। माननीय चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप हमें संतुष्ट करिए कि पेपर लीक बड़े पैमाने पर हुआ और परीक्षा रद्द होनी चाहिए।अगर आप हमारे सामने यह साबित कर देते हैं कि बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई तभी दोबारा परीक्षा कराने का आदेश दिया जा सकता है। 24 जुलाई को तमाम जद्दोजहद और कानूनी कार्रवाईयों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने नीट परीक्षा दोबारा नहीं करने का आदेश दिया है।

यहां बता दें कि शुरू से ही सरकार का रवैया नीट धांधली को छिपाने और किसी भी तरह पर्दा डालकर प्रतिष्ठा बचाने का रहा क्योंकि सरकार पहले से ही करीब 60 प्रवेश व भर्ती परीक्षाओं में पेपरलीक व गड़बड़ी धांधली के आरोपों से घिरी है। लेकिन उम्मीद थी कि सबसे बड़ी अदालत दूध का दूध पानी का पानी करेगी लेकिन अदालत ने अपने विवेक से सरकारी एजेंसियों की चल रही कई प्रदेश में पेपरलीक संबधी तमाम जांच सबूत और गिरफ्तारियों के बावजूद याचिकाकर्ताओं से व्यापक गड़बड़ी होने के सबूत मांग कर अपनी प्रतिबद्धता और प्राथमिकता साफ कर दी। जिस मामले में बिहार झारखंड समेत कई प्रदेश में करीब पचास गिरफ्तारी की गई हैं और जांच में जला प्रश्नपत्र भी मिला है इससे अधिक सबूत बेचारे छात्र या उनके अभिभावक या अधिवक्ता कहाँ से जुटाएं? वह कोई जांच एजेंसी नहीं है न ही उनके पास किसी तरह की जांच फोर्स है । सरकार दोबारा नीट नहीं कराना चाहती थी अदालत ने पेपरलीक होने के बावजूद बहुत व्यापक प्रभावित होने का सबूत न होने का हवाला देते हुए दोबारा नीट परीक्षा कराने से इंकार कर दिया। देश की संस्थाओं के क्षरण के जो आरोप समय समय पर लग रहे हैं उनके लिए इसी तरह के फैसले जिम्मेदार हैं। जो मानते हैं कि बेशक दूध में मक्खी गिरी थी लेकिन बड़े पैमाने पर हैजा फैलने का कोई सबूत नहीं है इस लिए इसी दूध को इस्तेमाल किजिए। देर सवेर सारी जांच ठंडे बस्ते में डाल कर गिरफ्तार आरोपी भी रिहा हो जाएंगे। मेहनती छात्रों के कुछ हिस्से को जरूर गड़बड़ी वाले अभ्यर्थी लूट ले गए। काश अदालत दोबारा पूरी शुचिता के साथ परीक्षा सम्पन्न करा छात्रों की न्याय में अवधारणा मजबूत करती तो बेहतर होता।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

वो 28 जुलाई, जब उन्नाव के क्रांतिकारियों का फिरंगियों से शुरू हुआ युद्ध

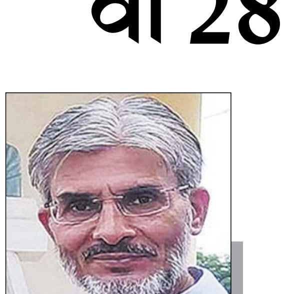

गौरव अवस्थी

वर्ष 1857 का प्रथम स्वाधीनता संग्राम सभी को याद ही है। इस संग्राम में उन्नाव के रणबांकुरों ने अंग्रेजी फौजों से जम कर युद्ध किया था। उन्नाव की वीर भूमि पर सेनानियों ने कई बार फिरंगियों को पीछे धकेला। इसी का नतीजा था कि कानपुर में नाना राव पेशवा सरकार का पतन करके आगे बढाने वाले जनरल हैवलॉक को दो बार कदम पीछे हटाने पड़े । कानपुर और बिठूर जीतने के बाद हैवलॉक जनरल नील को कानपुर की जिम्मेदारी देकर क्रांतिकारियों की कैद से अंग्रेज सैनिकों और उनके परिजनों को छुड़ाने के लिए गंगा पार करके लखनऊ की ओर बढ़ा। 28 जुलाई को गंगापार कर-के वह मगरवारा पहुंचा। मगरवारा के घर-घर में क्रांति की ज्वाला धड़क रही थी। फिरंगियों को धूल चटाने के लिए हर घर में छिद्र बनाए गए थे ताकि बंदूक और टॉप से लैस फिरंगियों को आगे बढ़ने से रोका जाए।

विफल होने के बाद जनरल हैवलॉक 29 जुलाई को उन्नाव की ओर बढ़ा लेकिन क्रांतिकारियों ने घेरा डाल दिया। क्रांतिकारियों ने अंग्रेजी सेनाओं का डटकर सामना किया। क्रांतिकारी सेना की कई देसी तोपें दलदल में फंस गईं। उन्नाव के उस युद्ध में क्रांतिकारियों की 15 तोपें टूट कर बेकार हो गईं। हैवलॉक ने इन तोपों को हथिया लिया। उस समर में 300 क्रांतिकारी शहीद हुए। उन्नाव के युद्ध में क्रांतिकारियों को विफल करने के बाद हैवलॉक बशीरतगंज की तरफ बढ़ा। बशीरतगंज तब ऊंची दीवारों से गिरा एक शहर था। यहां क्रांतिकारी और अंग्रेजी सेनाओं के बीच तीन बार भीषण युद्ध हुए। फिरंगी सेनाओं को दो बार क्रांतिकारियों ने खदेड़ दिया। बशीरतगंज के प्रथम युद्ध में जनरल हैवलॉक की 1/6 सेना नष्ट हो गई थी। उसकी सेना के 88 लोग मारे गए। उसने कानपुर में जनरल नील से सैनिक सहायता मांगी लेकिन खुद क्रांतिकारियों से घिरा होने के कारण उसने असमर्थता जता दी। इसके चलते हैवलॉक अपने कदम पीछे

हटाकर फिर मगरवारा पहुंच गया। सैनिक सहायता मिलने के बाद चार अगस्त को हैवलॉक फिर लखनऊ की ओर आगे बढ़ा और बशीरतगंज में क्रांतिकारियों से दूसरा युद्ध हुआ। इस युद्ध में क्रांतिकारियों के साथ अनेक तालकदार और जमींदार की सेनाएं भी शामिल हुई थीं। दूसरे युद्ध में 25 अंग्रेज अफसर मारे गए और करीब ढाई सौ क्रांतिकारी शहीद हुए। बशीरतगंज के इस द्वितीय युद्ध के बारे में हैवलॉक ने खुद लिखा-' लखनऊ मार्ग का प्रत्येक गांव हमारे विरुद्ध था आम लोग भी ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उठ खड़े हुए थे।' बशीरतगंज से 12 मील की दूरी पर फतेहपुर 84 में अपने सैनिकों के साथ नाना साहब पेशवा के जमे होने और ग्वालियर की सेनाओं के कालपी तक पहुंच जाने की खबरों की वजह से हैवलॉक लखनऊ बढ़ने के बजाय फिर मगरवारा वापस लौटने को मजबूर हुआ।

तीसरी बार जनरल हैवलॉक 11 अगस्त को गंगा पार करके लखनऊ की ओर चला। इस बार क्रांतिकारियों ने बसेरतगंज के पहले बुढ़िया की चौकी गांव के पास ही अंग्रेजी सेनन से मोर्चा लिया। इस युद्ध में भी हैवलॉक को काफी क्षति पहुंची 32 अंग्रेज सैनिक मारे गए और करीब 300 क्रांतिकारी शहीद हुए। बशीरतगंज के इस युद्ध में लौंडिया खेड़ा के राव रामबक्स सिंह. रसलाबाद के मंसब अली और बांगरमऊ (तरफसराय) के जस्सा सिंह जनवार की सेनाओं के साथ जनसाधारण ने भी भाग लिया। युद्ध में सफल होने के बावजूद हैवलॉक क्रांतिकारी अवरोध के चलते लखनऊ की ओर बढ़ नहीं पा रहा था। इस पर कानपुर बिठूर पर काबिज उसकी सेना के द्वितीय अधिकारी जनरल नील ने पत्र लिखकर अपनी नाराजगी भी जाहिर की थी।

क्रांतिकारियों के अवरोध के भीषण अवरोध के चलते ही हैवलॉक को लखनऊ पहुंचने में 2 महीने का वक्त लग गया था। मगरवारा में 21 सितंबर को हुए दूसरे युद्ध में भी ब्रिटिश फौजों को भीषण युद्ध का सामना करना पड़ा था। अगर उन्नाव में युद्ध घनघोर न होता तो ब्रिटिश हुकूमत लखनऊ पर 8 महीने पहले ही काबिज हो सकती थी। जनरल हैवलॉक कानपुर में नाना साहब की सरकार के पतन के बाद जब पहली बार गंगा पार करके मगरवारा में डेरा डाले था तब मगरवारा के घर-घर से फिरंगियों पर हमले हुए थे फिरंगियों से निपटने के लिए घर-घर में छेद बनाए गए थे इसका विवरण खुद हैवलाक ने अपने संस्मरण में लिखा है। उन्नाव के इन रणबांकुरों पर आज हम सभी को नाज तो है लेकिन हम अपने इन बहादुर पूर्वजों के स्वर्णिम इतिहास से ही अपरिचित हैं। प्रथम स्वाधीनता संग्राम से जुड़े मगरवारा, बशीरतगंज, नवाबगंज की पवित्र माटी को माथे पर लगाने का नया रिवाज क्यों शुरू नहीं होना चाहिए। प्रथम स्वाधीनता संग्राम में अपनी आहुति देने वाले सभी ज्ञात-अज्ञात रणबांकुरों को शत-शत नमन।

(लेखक. वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

न्यूट अपडेट

लोक गीतों के सुरो में सावन की फुहारों का आनंद

नेट थिएट पर दीपशिखा ने लोकगीतों से किया लोगों को मंत्रमुग्ध

चमकता राजस्थान, जयपुर। राजस्थान की विख्यात गायिका दीपशिखा जैन ने नेट थिएट पर अपनी मधुर आवाज में लोकगीत एवं भजन के स्वर छेड़े तो बादल गरज उठे और सावन की फुहारों से संगीत रसिको को मंत्रमुग्ध किया। नेट थियेट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया की दीपशिखा ने टूटे बाजूबंद री लूम लड़ उलझी उलझी जाए को सुनाकर राजस्थानी संस्कृति के रंग बिखरे। इसके बाद राजस्थान के प्रसिद्ध लोकगीत इन लहरिये रा नौ सौ रुपिया रोकड़ा और म्हारी दोरानिया जेठानिया रूठ गी रे म्हारा सासु जी मनवा ना आय बनी सा रुस गी रे झट चौमासो लागयो रे साथ ही खड़ी नीम के नीचे में तो एक ली गीत गाया तो सावन की फुहारो का आनंद मन को प्रफुल्लित कर गया। इसके बाद दीपशिखा ने अपने मधुर कंठ से भजन आज वृंदावन रास रचो है मैं भी देखने जाऊंगी और थाने काई काई कह समझावां म्हारा सांवरा गिरधारी सुना कर भगवान को रिझाया। सीमा मिश्रा के साथ तबले पर नवल डांगी ने अपने उंगलियों का ऐसा जादू बिखेरा की लौग वाह वाह कर उठे। सिंथेसाइजर पर पवन बालोदिया और गिटार पर गौरव भट्ट ने सरदार संगतकर कार्यक्रम को परवान चढ़ाया। कार्यक्रम में कैमरा मनोज स्वामी, संगीत विनोद सागर गढ़वाल और मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू, वीरेंद्र सिंह राठौड़ और जिवतेश शर्मा की रही।

राज्यपाल से केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने मुलाकात की

चमकता राजस्थान, जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र से शनिवार को राजभवन में केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

कुलपति भालेराव के भ्रामक बयान से किशनगढ़ का उद्योग व मजदूर जगत खफा : पाटनी

चमकता राजस्थान, श्रीनगर (रघुनंदन पारीक)। मदनगंज-किशनगढ़ ' राजस्थान सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव द्वारा किशनगढ़ शहरी क्षेत्र मे भूमि की अनुपलब्धता व मजदूरों की अपर्याप्त संख्या के संबंध में काल्पनिक आंकड़ों का हवाला देकर यूनिवर्सिटी परिसर में 100 बैडेड ई. एस. आई. अस्पताल हेतु विभाग को निशुल्क भूमि देने के लिए सोशल मीडिया आदि में दिये गए भ्रामक बयानों से किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन, लघु उद्योग भारती, पावरलूम व टेक्सटाइल संगठन तथा भारतीय मजदूर संघ आदि किशनगढ़ क्षेत्र के उद्योग व मजदूर जगत में भारी नाराजगी व्याप्त है। लघु उद्योग भारती के संरक्षक व भाजपा नेता महेन्द्र पाटनी ने यूनिवर्सिटी के कुलपति भालेराव से संपर्क कर उनके बयानबाजी के चलते स्थानीय लोगों के आक्रोश से अवगत कराते हुए बताया कि किशनगढ़ सहित आसपास के रूपनगढ़, नरवर, गेगल,श्रीनगर, खोड़ा,सिलोरा तथा अराई आदि औद्योगिक क्षेत्र में मापदंड अनुसार पर्याप्त मजदूरों की संख्या के निर्धारण के आधार के अलावा राजस्थान सरकार की सहमति व अस्पताल के संचालन की जिम्मेदारी लेने पर ही मोदी -2 सरकार के पूर्व केंद्रीय श्रम व रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा दी गई स्वीकृति के अंतर्गत किशनगढ़ में सौ बिस्तरों वाला ई.एस.आई. अस्पताल निर्माण कार्य केंद्र सरकार द्वारा किया जाना हैं। किशनगढ़ में भूमि चयन नहीं होने के समाचारों का भी खंडन करते हुए पाटनी ने कहा कि किशनगढ़ एयरपोर्ट के पास ई.एस.आई. विभाग के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक अशोक रावत के साथ जयपुर से आई टीम द्वारा अजमेर विकास प्राधिकरण के खाते की खसरा संख्या 78/1 की भूमि अस्पताल के लिये चिन्हित किए जाने पर उस भूमि के रकबे को ए.डी.ए. के अध्यक्ष व जिला कलेक्टर,अजमेर ने नगर परिषद, किशनगढ़ को आवंटन हेतु हस्तांतरित कर दी थी। ज्ञात्व्य है कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआई),जयपुर के क्षेत्रीय निदेशक द्वारा निर्धारित प्रपत्र द्वारा नगर परिषद, किशनगढ़ से आवेदित एयरपोर्ट के पास खसरा संख्या 78/1 की भूमि मे से 24434.61 वर्गगज भूमि आवंटन हेतु परिषद की एम्पावर्ड कमेटी द्वारा सर्वसम्मति से सहमति जताकर अनुमोदनार्थ निदेशक, स्वायत शासन विभाग, जयपुर को प्रेषित कर दी गई, जो कि राज्य सरकार की सक्षम स्वीकृति के लिए विचाराधीन है। किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन, लघु उद्योग भारती, पावरलूम व टेक्सटाइल संगठन तथा भारतीय मजदूर संघ के नेतृत्व के साथ वे शीघ्र ही राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलकर केंद्र सरकार द्वारा निर्माण कार्य के लिये स्वीकृत 100 बेडेड ई.एस.आई. अस्पताल के लिए किशनगढ़ एयरपोर्ट के पास चिन्हित व स्वायत शासन विभाग से अनुसंशित भूमि के प्रस्ताव को कैबिनेट की मीटिंग में लेकर आवंटन की सक्षम स्वीकृति प्रदान कराने का आग्रह करेंगे। इसके अलावा भाजपा नेता पाटनी ने तंज कसा कि एक ओर जहां कुलपति भालेराव द्वारा भारत सरकार के केंद्रीय श्रम व रोजगार मंत्री मनसुख मांडवीया से यूनिवर्सिटी परिसर में ईएसआई अस्पताल बनाने संबंधी विचार विमर्श तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की सैद्धांतिक सहमति के कथित बयानों को तो हमारे क्षेत्र के जनप्रतिनिधि सांसद व केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी खंगालेंगे, वहीं दूसरी ओर कर्मचारी राज्य बीमा निगम (एरक) विभाग, जयपुर द्वारा यूनिवर्सिटी परिसर में अस्पताल निर्माण के कुलपति के फोरे प्रस्ताव को सिरे से नकारने की जानकारी भी मिली है।

वंशावली संरक्षण एवं संवर्द्धन संस्थान का स्थापना दिवस समारोह आज

चमकता राजस्थान, जयपुर। अखिल भारतीय वंशावली संरक्षण एवं संवर्द्धन संस्थान का स्थापना दिवस समारोह रविवार को दोपहर 3.00 बजे मालवीय सांस्थानिक क्षेत्र स्थित पाथेय भवन में आयोजित किया जायेगा। इस समारोह में मुख्य वक्ता अखिल भारतीय धर्म जागरण के सह प्रमुख और संघ के वरिष्ठ प्रचारक अरूणकांत होंगे। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमेश्वर ब्रह्मभट्ट ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री और विधायक कालीचरण सराफ होंगे। वही विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद रामचरण बोहरा और राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा होगी। समारोह में समाज के वंशलेखकों एवं समाज के वंशावली युवा कार्यकर्ताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जायेगा।

धौलपुर जिले में खेत जोतने के विवाद पर दो पक्षों में जंग, 4 चार घायल

चमकता राजस्थान, धौलपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले में खेत जोतने के विवाद में दो पक्षों में जंग हो गई। दोनों पक्षों ने लाठी-डंडे से एक दूसरे की पिटाई कर दी। इस मारपीट में 4 चार लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर घायलों को इलाज के लिए एक अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के मुताबिक यह मामला धौलपुर जिले के बसईडांग थाना इलाके के निभी गांव का है। जहां खेत को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस मारपीट में एक पक्ष के 3 लोग घायल हो गए जबकि दूसरे पक्ष का एक व्यक्ति घायल हुआ है। दोनों पक्षों ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करा दी पुलिस ने जांच भी शुरू कर दी है।

आरएसआरडीसी में टोल के मोल में भारी फर्जीवाडा

- सरकार को लगाई बारह सो करोड़ की चपत
- ट्रैफिक सर्वे कंपनी की मिली भगत से दिखाया ट्रैफ़कि कई गुना

चमकता राजस्थान

राजस्थान। राजस्थान राज्य सड़क विकास एवं निर्माण निगम (आरएसआरडीसी) लिमिटेड टोल कलेक्शन कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए टेंडर से लेकर ट्रैफिक सर्वे में फर्जीवाड़ा कर रहा है। दरअसल आरएसआरडीसीसी निजी कंपनियों से व्हीकल ट्रैफिक सर्वे करवाकर टोल की रिजर्व प्रास तय करता है लेकिन सर्वे में ज्यादा वाहन दिखाकर टेंडर अमाउंट को दो गुना से तीन तक बढ़ाया जा रहा है,ताकि टेंडर न हो और पुरानी फर्म को एक्सटेंशन मिलता रहे। मिली जानकारी के अनुसार कंपनी के सर्वे को वेरिफाई करने वाली आरएसआरडीसी की कमेटी भी सवालों के घेरे में है। 10 करोड़ के 4 टोल (कोटपूतली कुचामन, बीकानेर- बाईपास, डूंगरगढ- सरदारशहर, जोबनेर- कुचामन) का गलत एक्सटेंशन कर दिया। इन सबका ट्रैफिक सर्वे ज्यादा दिखाया गया। टेंडर में फर्म नहीं आने का हवाला देकर एक्सटेंशन में भ्रष्टाचार का खेल खेला जा रहा है। इससे सरकार को 4 साल में बारह सो करोड़ का नुकसान हो चुका है। इधर, आरटीटीपी रूल्स के मुताबिक किसी टेंडर में ज्यादा इनकम की संभावना है तो नया टेंडर होना चाहिए। आरएसआरडीसी प्रदेश में 37 टोल चला रही है। इनमें से 9 पर एक्सटेंशन मिला हुआ है। जबकि 6 टोल डेली बेसिस पर संचालित हैं। जनवरी में मैसर्स टीटीएल इंजीनियरिंग प्रालि जयपुर ने कोटपूतली-कुचामन स्टेट हाईवे पर ट्रेफिक सर्वे किया। इसमें दो साल के लिए 192.75 करोड़ रुपए टोल कलेक्शन माना गया। कंपनी ने वीडियो क्लिप में काट छांट कर वाहनों की संख्या बढ़ा दी। इस पर कंपनी को डीबार करने की सिफारिश की गई है। मार्च में नए सर्वे में दो साल के लिए 160 करोड़ रुपए टोल कलेक्शन होना माना गया। इसके आधार पर आरएसआरडीसी ने टेंडर लगाया। लेकिन आरक्षित दर (160 करोड़ रुपए) बहुत ज्यादा होने से कोई कंपनी टेंडर लेने नहीं आई। अब आरएसआरडीसी ने आरक्षित दर 5% कम कर 152 करोड़ रुपए का टेंडर लगाया है। जबकि 2019 में गैलेक्सी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड को 67.21 करोड़ रुपए में दो साल का टेंडर दिया था। अब तक पांच बार एक्सटेंशन मिल चुका है। इसमें दो एक्सटेंशन कोविड और किसान आंदोलन के शामिल हैं। 2019 की तुलना टेंडर रेट दोगुना से ज्यादा होने के कारण कोई फर्म टेंडर नहीं लगा रही है। इसलिए 31 मार्च 2024 को रेट में 7.5% बढ़ोतरी कर कंपनी को 5वीं बार एक्सटेंशन दिया गया है। इस रूट पर सरूड़-कोटपूतली, चला, नांगल, दूजोद व जिलिया पांच टोल नाके हैं।

सरकार को नुकसान : टोल एक्सटेंशन 7.5 फीसदी से 10 फीसदी की वृद्धि कर किया जा रहा है।

जबकि कंपनी को इससे कहीं ज्यादा रेवेन्यू कलेक्शन होता है। पिछले कुछ समय मे ही 5-6 रुटों पर करवाये गये सर्वे में दोगुना से तीन गुना तक की वृद्धि बताई गई है लेकिन आरएसआरडीसी द्वारा इन रुटों पर भी एक्सटेंशन मात्र 7.5-10% वृद्धि पर कर दिया गया। इसके बाद बिना सर्वे का परिक्षण किये नये टेंडर भी जारी कर दिये। इन टेंडरों में भारी बढ़ोतरी के चलते कोई फर्म भाग ही ना ले और पुरानी फर्म को ही मामूली बढ़ोतरी कर एक्सटेंशन दे दिया जाये इसलिए सर्वे में गड़बड़ी की जाती है। इससे सरकार को करीब बारह सो करोड़ का नुकसान हो रहा है।

इसलिए सवालों के घेरे में पूरा सिस्टम

1. डूंगरगढ़-सरदारशहर-राजगढ़ टोल : इस टोल का संचालन देवदशरथ एसोसिएट कर रही है। यह टोल 12 जून 2021 से 12 जून 2023 तक (दो साल) के लिए दिया गया था। 10 फीसदी बढ़ाकर 18 करोड़ में एक साल का एक्सटेंशन दे दिया। 11 जून को 69.81 करोड़ का टेंडर लगाया लेकिन दरों में तीन गुना वृद्धि के चलते किसी भी फर्म ने टेंडर में भाग ही नहीं लिया। अब 23 जुलाई को वापस 66.32 करोड़ का टेंडर लगाया गया है।

2. बीकानेर बाइपास टोल : 25 फरवरी 2021

बीकानेर बाइपास टोल को 41.74 करोड़ आरक्षित दर मानी गई थी। 15 मार्च 2021 को तकनीकी बोली खोले जाने के बाद फाइनेंशियल बिड नहीं खोली। देवदशरथ एसोसिएट को 12 जून 2021 से 11 नवंबर 2023 (दो साल) के लिए सिर्फ 20.44 करोड़ रुपए में दे दिया गया। इसके बाद एक्सटेंशन दे दिया। अब मई 2024 में 44.77 करोड़ का टेंडर लगाया। लेकिन कोई फर्म नहीं आई। स्टेट हाइवे पर गहलोत सरकार ने 2020 में निजी वाहनों पर वापस टोल लागू किया।

3. कोटपूतली-कुचामन रूट पर अफोर्डेबल हाउसिंग प्रालि को 45 लाख में 90 दिन का टेंडर दिया। आज तक काम इसी कंपनी के पास।

4. अलवर बहरोड़ नारनौल टोल की एक बार एनआईटी जारी की। लेकिन कोई फर्म नहीं आई। 15 दिन बाद डेली बेसिस पर दे दिया। जबकि कोटपुतली कुचामन, जयपुर जोबनेर कुचामन, बीकानेर बाईपास को डेली बेसिस पर देने की बजाय दूसरी बार एनआईटी जारी कर दी गई। ट्ट कंपनियों की हाई एप्रोचः एक एक कंपनी के पास पांच से सात टोल हैं। यानी टोल से जुड़े 200 करोड़ का काम एक एक कंपनी कर रही है। उदाहरण के लिए गैलेक्सी माइनिंग प्रा. लि. के पास चार टोल हैं। चारों टोल को हाल ही में एक्सटेंशन दिया है। इसी तरह देव दशरथ एसोसिएट के तीन में से दो टोल को एक्सटेंशन दिया है। इनकी हाई एप्रोच के कारण कार्रवाई नहीं हो पाती है।

भाजपा की प्रेसवार्ता में केंद्रीय मंत्री, राज्य सरकार के मंत्री व भाजपा पदाधिकारी रहेंगे उपस्थित : मुकेश दाधीच

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि केंद्रीय बजट की जन कल्याणकारी नीतियों को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा की ओर से प्रदेश के संभाग मुख्यालयों पर प्रेसवार्ता आयोजित की जा रही है। इस दौरान प्रेसवार्ता में केंद्रीय मंत्री के साथ राज्य सरकार के मंत्री और भाजपा प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। केंद्रीय बजट को लेकर आज शनिवार को अजमेर और कोटा संभाग मुख्यालय पर प्रेसवार्ता आयोजित की गई। इसमें अजमेर में केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, भाजपा प्रदेश मंत्री महेंद्र कुमावत और देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाना तथा कोटा में केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के साथ उर्जा मंत्री हीरालाल नागर और भाजपा उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा ने प्रेसवार्ता की। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि राजधानी जयपुर में रविवार को केंद्र सरकार के आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर, राज्य मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और भाजपा उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच केंद्रीय बजट को लेकर पत्रकारवार्ता करेंगे। वहीं जोधपुर में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल, राज्य सरकार के मंत्री जोगाराम पटेल और भाजपा से प्रदेश मंत्री महेंद्र कुमावत प्रेसवार्ता को संबोधित करेंगे। उदयपुर में केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल, राज्य सरकार के मंत्री गौतम दक, भाजपा से प्रदेश मंत्री मिथिलेश गौतम और महेश शर्मा, तथा बीकानेर में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी यादव, राज्य सरकार के मंत्री सुमित गोदारा और भाजपा प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला प्रेसवार्ता को संबोधित करेंगे।

भामाशाहों ने विद्यार्थियों को बैग, बोतल और स्टेशनरी भेंट की

चमकता राजस्थान, उदयपुरवाटी (सुमेर सिंह राव)। उपखंड क्षेत्र के गुढा गौड़जी कस्बे में स्थित रा.उ. मा. वि. गुढा गौड़जी में आंगनबाड़ी सहित कक्षा 5 तक के. 107 बच्चों को अनाम भामाशाह द्वारा गुप्तदान द्वारा स्कूल बैग और पानी की बोतल भेंट की गई। इसी अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक संतकुमार शर्मा द्वारा बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। गौरतलब है, कि संत कुमार शर्मा 2014 से प्रतिवर्ष गुढा गौड़जी के समस्त विद्यालयों के कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को स्टेशनरी मेंट करते हैं। प्रधानाचार्य रणजीत सिंह शेखावत व भामाशाह और प्रेरक शिक्षकों चन्दगीराम ब्यामल महिला बाल विकास विभाग सुपर वाईजर तारामणी नूनिया और सुनिल योगी का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता मनोज गिल ने किया।

ओम शिव गौशाला पचलंगी में सीताराम दास महाराज के सानिध्य में किया श्रमदान

चमकता राजस्थान, उदयपुरवाटी (सुमेर सिंह राव)। उपखंड क्षेत्र के पचलंगी गांव में स्थित श्री ओम शिव गौशाला परिसर में झडाया बालाजी मंदिर के महंत श्री श्री 108 श्री सीताराम दास जी महाराज के सानिध्य में श्रमदान किया गया। गौशाला परिसर में किए गए श्रमदान में राष्ट्रीय सामाजिक जन चेतना मंच के अध्यक्ष एवं गौशाला संरक्षक मदनलाल भावरिया ने भी हिस्सा लिया। झडाया बालाजी मंदिर के महंत श्री श्री 108 श्री सीताराम दास जी महाराज एवं मदनलाल भावरिया के अलावा कई लोगों ने गौशाला परिसर में चल रहे श्रमदान में भाग लिया।

गौशाला संरक्षक मदनलाल भावरिया ने भी किया श्रमदान

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने आवास पर सुनी समस्याएं

चमकता राजस्थान, श्रीनगर (रघुनंदन पारीक)। जनसुनवाई के माध्यम से किशनगढ़ स्थित निवास पर आए लोगों की समस्याओं को सुनकर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान हेतु निर्देशित किया। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने कहा कि जनसेवा ही मेरा धर्म है, सेवा ही संकल्प के उद्देश्य से जनसुनवाई के दौरान सभी की समस्याओं का निदान किया जाना मेरी प्राथमिकता में है।

ठगी के शिकार बने लाखों नागरिक, 31 को दिल्ली करेंगे कूच

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। धौलपुर, अलवर, जयपुर, राजस्थान, एवं देश की लाख रेगुलेटेड व अनरेगुलेटेड कम्पनियों एवं सोसाइटीयों को सरकार द्वारा 2014 मैं बन्द कर देने से पीड़ित 42 करोड़ गरीब नागरिकों की गाढ़े खून पसीने से कमाई पूंजी जो लगभग 5 लाख करोड़ है! जो सरकार एवं ठगों के पास है! डूबी पूंजी को वापस करने की गारंटी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अविनियमित जमा योजना पाबन्दी अधिनियम - 2019 बनाकर दी थी, लेकिन सख्त एवं समयबद्ध कानून बनने के 5 वर्ष बाद, लाखों पीड़ित आत्महत्या कर चुके है !जिनमे 1200 सैनिक भी थे! देश के 42 करोड़ नागरिकों की जमा पूंजी मिलना तो दूर राजस्थान मैं तो कानून कों कुचल कर रख दिया।

देश के समस्त उपखण्ड अधिकारीयों, जिला कलेक्टरों, मुख्यमंत्रीयों, व राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सहकारिता एवं गृह मंत्री, वित्त मंत्री सांसदों , विधायकों, पुलिस अधिकारियो आदि को कई - कई बार ज्ञापन देने के बाद भी कानून का क्रियान्वयन सुनिश्चित नहीं हो सका। देश के सभी पीड़ितों ने हाल ही 2 जुलाई 24 को सम्पूर्ण देश से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, एवं सभी मुख्यमंत्रीयों को ज्ञापन दिया गया था !जिसमें चेतावनी दी गईं थी कि अगर पीड़ितों का भुगतान शुरू नहीं किया तो जंतर मंतर, दिल्ली 31 जुलाई 2024 को असहयोग आंदोलन का आगाज करेंगे! तत्पश्चात सम्पूर्ण देश मैं अनिश्चित कालीन आंदोलन भुगतान शुरू नहीं होने तक जारी रहेगा। क्योंकि अब स्थिति भयावह होती जा रही है! निवेशक कथित एजेंट को गोली भी मारने लगे है। ठगी पीड़ित जमाकार्ता परिवार, राजस्थान इकाई के प्रदेश अध्यक्ष, एम. पी. शर्मा ने राज्य के कई जिलों मैं बैठक करके संगठन के सभी पीड़ितों को 31 जुलाई 24 को जंतर मंतर, दिल्ली मैं आयोजित असहयोग आंदोलन मैं अधिक से अधिक संख्या मैं पहुँच कर आंदोलन को सफल बनाने की गुहार लगाई है।

पेरिस में इंडिया हाउस के उद्घाटन पर नीता अंबानी ने ओलंपिक भारत लाने की वकालत की

इंडिया हाउस भारत की ओलंपिक आकांक्षाओं का प्रतीक है : नीता अंबानी

- ओलंपिक में भारत का पहला कंट्री हाउस है : इंडिया हाउस

चमकता राजस्थान

मुंबई/पेरिस। पेरिस ओलंपिक की शानदार शुरूआत के एक दिन बाद, पेरिस में भारत के पहले कंट्री हाउस यानी इंडिया हाउस का उद्घाटन हुआ। रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर और चेयरपर्सन नीता एम अंबानी ने पारंपरिक भारतीय तरीके से दीप प्रज्वलित करके इंडिया हाउस को शुरूआत की। उद्घाटन समारोह में देश विदेश के मेहमान, आईओसी अधिकारी और भारत की मशहूर हस्तियां शामिल थी। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में आईओसी समिति के सदस्य सेर मियांग एनजी, भारतीय ओलंपिक संघ की प्रेसिडेंट पी.टी. उषा, फ्रांस में भारत के राजदूत जावेद अशरफ, बीसीसीआई के जय शाह, और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा शामिल रहे। इस मौके पर आईओसी सदस्या नीता अंबानी ने ओलंपिक को भारत लाने की खुलकर वकालत की, ओलंपिक के इतिहास में पहली बार बने इंडिया-हाउस में आपका स्वागत है। आज हम 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों में हम एक नया सपना देख रहे हैं, एक ऐसा सपना जो 1.4 अरब भारतीयों का है। भारत को ओलंपिक में लाने का और ओलंपिक को भारत में लाने का, एक साझा सपना। अब समय आ गया है कि एथेंस में पहली बार जलाई गई ओलंपिक ज्योति हमारी प्राचीन भूमि भारत में भी प्रज्वलित हो। वह दिन दूर नहीं जब भारत ओलंपिक खेलों की मेजबानी करेगा। इंडिया हाउस के उद्घाटन पर यह हमारा सामूहिक संकल्प है। इंडिया हाउस के महत्व पर श्रीमती अंबानी ने कहा, ‘इंडिया हाउस को भारत की ओलंपिक आकांक्षाओं के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। हम आशा करते हैं कि हमारे एथलीटों के लिए यह घर से दूर एक घर बन जाए, एक ऐसी जगह जहाँ हम उनका सम्मान करें, उनके जज्बे को सलाम करें और उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाएं। इंडिया हाउस आखिरी मंजिल नहीं है, यह भारत के लिए एक नई शुरुआत है। इंडिया हाउस में हम दुनिया का स्वागत करते हैं, ताकि वे पेरिस के हृदय में भारत की सुंदरता, विविधता और समृद्ध विरासत का अनुभव कर सकें। इंडिया हाउस के उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड गायक शान ने अपनी गायकी से समां बांध दिया। उनके बॉलीवुड गानों पर दर्शक खुल कर झूमे। आगंतुकों का स्वागत ढोल की थाप के साथ किया गया। इसके बाद मुंबई के दृष्टिहीन बच्चों ने पारंपरिक भारतीय खेल मल्लखंभ का शानदार प्रदर्शन किया। इंडिया हाउस पार्क ऑफ नेशंस में पार्क डे ला विलेट में स्थित है और 27 जुलाई से 11 अगस्त तक ओलंपिक खेलों के दौरान स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे से रात 11 बजे तक आगंतुकों के लिए खुला रहेगा।

मतदान केन्द्रों पर विशेष क्लस्टर कैंप का आयोजन

चमकता राजस्थान, उदयपुरवाटी (सुमेर सिंह राव)। कस्बे के वार्ड नंबर 24 में गोपीनाथ जी के मंदिर के पास स्थित सेठ श्री सागरमल चौधरी राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के परिसर में शनिवार को विशेष क्लस्टर कैंप का आयोजन किया गया ' मतदान केंद्र पर आयोजित क्लस्टर कैंप में विवाहित महिलाओं का पंजीकरण हेतु क्लस्टर कैंप का आयोजन किया गया ' मुरारी लाल छिपी एवं हनुमान प्रसाद बीएलओ ने जानकारी देते हुए बताया कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले मतदाताओं का मतदान सूची में पंजीकरण किया जाना है ' इसलिए आज रविवार को 28 जुलाई को भी मतदान केंद्र पर नव विवाहित महिलाओं के नाम मतदान सूची में जोड़े जाएंगे '

संक्षिप्त खबरें

नहर में नहाने गए युवक की डूबने से मौत

अररिया/फारबिसगंज। फारबिसगंज के भदेश्वर स्थित आरडी नहर में पांच दोस्तों के साथ नहाने गये 26 वर्षीय एक युवक की मौत शनिवार को हो गयी। मृतक युवक मंडल चौक वार्ड संख्या 27 बथनाहा निवासी अशोक मंडल का पुत्र राजा कुमार है। घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि युवक अपने चार पांच दोस्तों के साथ आज दोपहर भदेश्वर बड़ी नहर में स्नान करने के लिए गया था।स्नान करने के दौरान अपने एक मित्र को डूबते देखकर सभी उसे बचाने चल गए। इसी क्रम में राजा पानी के तेज धार में डूब गया। युवक राजा कुमार को डूबते देखकर उनके दोस्तों ने हो-हल्ला किया। आवाज सुनकर कई लोग वहां पहुंचे। ग्रामीण तैराकों ने नहर में छलांग लगाया एवं नहर में उसको तलाशने लगे। ग्रामीण तैराकों ने घंटों कठिन परिश्रम के बाद डूबे हुए स्थान से काफी दूरी पर गहरे पानी से उसे बाहर निकाला। उसे इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल लाया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात अस्पताल उपाधीक्षक डॉ केएन सिंह, डॉ मनोज कुमार सहित अन्य चिकित्सकों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया।

उमस भरी गर्मी के बीच 11 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट

पटना। बिहार में उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हैं। सुबह से ही निकली तेज धूप लोगों को झुलसा रही है। इस बीच मौसम विभाग ने राज्य के 11 जिलों में बारिश की संभावना जताई है। इनमें सीवान, सारण, गोपालगंज, भोजपुर, बक्सर, औरंगाबाद, अरवल, रोहतास, कैमूर, पश्चिमी चंपारण और पूर्वी चंपारण के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार 30 जुलाई को सारण, सीवान, गोपालगंज, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सुपौल, सहरसा और मधेपुरा में बारिश हो सकती है। 31 जुलाई को सीवान, सारण, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, भोजपुर, रोहतास, बक्सर, भभुआ, अरवल और औरंगाबाद में झमाझम बारिश की संभावना है। एक अगस्त को भभुआ, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, गया, जहानाबाद, पटना भोजपुर, बक्सर, नालंदा, नवादा, बेगूसराय, भागलपुर, शेखपुरा, लखीसराय, बांका, जमुई, खगड़िया और मुंगेर में झमाझम बारिश की संभावना मौसम विभाग ने व्यक्त की है। मौसम विभाग ने मानसून की बारिश बिहार में एक बार फिर रफ्तार पकड़ने की बात कही है।

दिवंगत प्रभात झा को भाजपा एवं संघ के वरिष्ठ नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

पटना। बिहार के सीतामढ़ी में अन्त्येष्टि के पूर्व मेदांता परिसर में रखे भाजपा के भूतपूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह राज्यसभा सदस्य प्रभात झा के पार्थिव शरीर को भाजपा के पूर्व सांसद आरके सिन्हा और राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पूर्व सांसद आरके सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता सुरेशसोनी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, भाजपा के संगठन महामंत्री बीएल संतोष, श्याम जाजू, महेंद्र नाथ पांडेय सहित अनेक संघ और भाजपा से जुड़े लोगों ने नम आंखों से प्रभात झा को श्रद्धांजलि दी। आज उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में होगा। उल्लेखनीय है कि प्रखंड के कोरियाही गांव निवासी 67 वर्षीय प्रभात झा दिल्ली के मेदांता अस्पताल में इलाजरत थे, जहां शुक्रवार सुबह उनका निधन हो गया। आज उनके पार्थिव शरीर को बिहार के सीतामढ़ी में अन्त्योष्टि के पूर्व मेदांता परिसर में श्रद्धांजलि के लिए रखा गया।

गंगासागर में कटाव रोकने के लिए आईआईटी चेन्नई की मदद ली जाएगी

कोलकाता। गंगासागर राज्य के तीर्थ और पर्यटन केंद्रों में से एक है। हर साल गंगासागर मेले के दौरान कई तीर्थयात्री मेले में आते हैं। पुण्य प्राप्ति की आशा से लाखों लोग मकर संक्रांति के दिन गंगा और बंगोपसागर की खाड़ी के मुहाने में डुबकी लगाते हैं। कपिलमुनि के आश्रम में पूजा देते हैं। पिछले कुछ वर्षों में यात्रियों को ध्यान में रखते हुए गंगासागर पर कई आवास भी बनाए गए हैं। लेकिन, उसमे समुद्र में खतरा भी है। इस बार आईआईटी का सहारा लेना पड़ा। पता चला है कि समुद्र में भयंकर कटाव हो रहा है। उस क्षरण को रोकने के लिए चेन्नई आईआईटी की मदद ली जाएगी। पहले भी इस सफलता के लिए आईआईटी चेन्नई का सहारा लिया गया था। उस समय एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई थी। लेकिन इस बार हालात और भी खराब होने लगे हैं। पिछले कुछ दिनों से सागरमेला के 1 से 5 स्नान घाटों तक समुद्र तल पर भयंकर कटाव हो रहा है। निर्माण विभाग की एक कंक्रीट सड़क, बिजली के खंभे, सार्वजनिक स्वास्थ्य तकनीकी विभाग की पानी की लाइनें, अस्थायी दुकानें, यहां तक कि पेड़ भी समुद्र में डूब गए। यदि इस समय कटान नहीं रोका गया तो कुछ ही दिनों में कपिलमुनि का आश्रम भी डूबने की आशंका है।

दमदम जेल में विचाराधीन कैदी की अप्रत्याशित मौत

कोलकाता। दमदम जेल में बिचारधीन कैदी की अप्रत्याशित मौत से सनसनी। मृतक राज दत्त बागुईआटी के अर्जुनपुर का रहने वाला था। जेल प्रशासन का दावा है कि युवक की मौत डेंगू से हुई है। हालांकि, परिवार का आरोप है कि खाने में जहर मिलाकर उसकी हत्या की गई है। मृतक के परिवार के सदस्यों ने उचित शव परीक्षण की मांग उठाई है। गौरतलब है कि मृतक राज संजीव दास हत्याकांड का आरोपी है।

'राज्य में अराजकता, अघोषित आपातकाल'

राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग को लेकर अधीर का पत्र

संवाददाता

कोलकाता। लोकसभा चुनाव में हार को अभी दो महीने भी नहीं बीते हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने एक बार फिर राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने शिकायत की कि बंगाल में अराजकता चल रही है। कृत्रिम रूप से सांप्रदायिक हिंसा फैलाने की कोशिश की जा रही है। राष्ट्रपति को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के लेटरहेड पर लिखे उस पत्र में अधीर ने राष्ट्रपति से कहा कि वह बंगाल की स्थिति को लेकर निजी तौर पर चिंतित हैं। अधीर के बयान में कुछ हद तक भाजपा नेताओं के सुर में सुर

मिलाते हुए कहा गया, "देश के संवैधानिक प्रमुख के रूप में, राष्ट्रपति को बंगाल में कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। इस समय बंगाल में जो अराजकता चल रही है वह न केवल शर्मनाक है बल्कि बेहद चिंताजनक भी है। यह सब विपक्षी दल के समर्थकों और कार्यकताओं पर सत्तारूढ़ दल के क्रूर व्यवहार के कारण है। अधीर ने राष्ट्रपति को लिखे अपने पत्र में संदेशखाली मुद्दे का भी जिक्र किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया, "लोकसभा चुनाव (लोकसभा 2024) से पहले मुर्शिदाबाद में सांप्रदायिक हिंसा की योजना बनाई गई थी।" बहरामपुर के पूर्व सांसद ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के सख्त कदमों के बावजूद लोकसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ दल के आतंक को रोका नहीं जा सका। लेकिन इस वक्त सबसे ज्यादा चिंता की बात चुनाव के बाद हुई हिंसा है। अधीर का दावा है कि बंगाल के विपक्षी दलों के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक अपने जीवन और आजीविका को लेकर संशय में हैं। इस संदर्भ में उन्होंने मैनागुड़ी में एक कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या का भी जिक्र किया। अधीर का दावा है कि राज्य में इस वक्त अघोषित आपातकाल चल रहा है। जिससे निपटने के लिए राष्ट्रपति के हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

लोकसभा चुनाव से पहले भी अधीर ने बीजेपी के सुर में सुर मिलाते हुए संदेशखाली मुद्दे पर राष्ट्रपति शासन की मांग उठाई थी। उस वक्त उन्हें पार्टी के अंदर ही बाहर का रास्ता देखना पड़ा था। तृणमूल के लोग भी गुस्से में हैं। राज्य में सत्ताधारी पार्टी का दावा है कि अधीर बीजेपी की भाषा बोल रहे हैं। लेकिन फिर भी अधीर नहीं रुकता। उन्होंने लगभग उसी भाषा में राज्य सरकार पर हमला बोला।

30 बोतल नेपाली देसी शराब के साथ एक गिरफ्तार

किशनगंज। लगातार शराबबंदी को शक्ति से लागू करने को लेकर जिलेभर में पुलिस द्वारा वाहन जांच और समय-समय पर छापेमारी भी की जा रही है,जिससे कि शराबबंदी को पूर्ण रूप से सफल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी दौरान जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत सुखानी थाना क्षेत्र से गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने नेपाली देसी 30 बोतल शराब के साथ शिवा कुमार को गिरफ्तार किया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए सुखानी थानाध्यक्ष धर्मपाल कुमार ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई है।गिरफ्तार किए गए अभियुक्त के खिलाफ प्राथमिक दर्ज करते हुए सुसंगत धाराओं के तहत न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा रहा है।

मैरो एंड सेल्युलर थेरेपी मीट 2024 के दूसरे संस्करण का आयोजन

संवाददाता

कोलकाता। ईएचजी (ईस्टर्न हेमेटोलॉजी ग्रुप) ने कोलकाता में बोन मैरो ट्रांसप्लांट पर 'ईस्टर्न इंडिया ब्लड, मैरो एंड सेल्युलर थेरेपी मीट 2024' (ईआईबीएमसीटी मीट 2024) के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। यह पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भारत में ईस्टर्न हेमेटोलॉजी ग्रुप द्वारा आयोजित अपनी तरह का अनोखा सम्मेलन था। ईएचजी एक संगठन है जिसमें पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भारत के 11 राज्यों के हेमेटोलॉजिस्ट और हेमाटो-ऑन्कोलॉजिस्ट शामिल हैं। हेमेटोलॉजिस्ट और हेमाटो-ऑन्कोलॉजिस्ट, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट, बीएमटी चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और बीएमटी से जुड़े अन्य सहायक कर्मचारियों और साथ ही सरकारी अधिकारी और गैर सरकारी

संगठनों सहित 250 से अधिक स्वास्थ्य-सेवा विशेषज्ञों ने बीएमटी अभ्यास को मजबूत करने के लिए अपने ज्ञान, अनुभव और विशेषज्ञता को साझा करने और पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भारत में बीएमटी पर भविष्य की योजना के बारे में चर्चा करने के लिए 2-दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया।

ईआईबीएमसीटी मीट 2024 के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी, प्रो. (डॉ.) राजीब दे ने कहा, मैं पूर्वी और उत्तर पूर्वी भारत के विभिन्न भागों से भाग लेने वाले सभी सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूँ। इस वर्ष ईआईबीएमसीटी 2024 के 2-दिवसीय सम्मेलन में हमने कार्यशालाओं एवं सत्रों का आयोजन किया जैसे बीएमटी में सहायक सेवाओं पर सत्र, प्रत्यारोपण संबंधी जटिलताओं पर सत्र, सीएआर-टी सेल थेरेपी, फंड जुटाने, स्टेम सेल रजिस्ट्री, और इस क्षेत्र में बीएमटी सर्वाइवर्स लोगों के लिए समर्पित सत्रों जैसी कई नई गतिविधियों को शामिल किया। बोन मैरो ट्रांसप्लांट के उपर भविष्य की योजना और सहयोग के अलावा, हमने बीएमटी को सभी के लिए सस्ती और सुलभ बनाने के लिए सरकारी प्रशासकों के साथ बैठकें भी कीं।

प्राकृतिक खेती को लेकर केविके परसौनी ने किसानों को किया प्रशिक्षित

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। जिले के परसौनी स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिको ने प्राकृतिक खेती को लेकर शनिवार को 35 से ज्यादा किसानो को प्रशिक्षण दिया। इस दौरान रामगढवा प्रखंड के बिरता टोला के किसानो ने जीवामृत बनाने का अनुभव प्राप्त किया। मौके पर किसानो को संबोधित करते हुए मृदा विशेषज्ञ डा.आशीष राय ने बताया कि वर्षों से खेती में रसायनिक खाद व कीट-व्याधिनाशकों के प्रयोग से फसल के साथ ही मिट्टी पर्यावरण एवं जल स्त्रोंतो पर विपरीत प्रभाव देखे जा रहे है। इसके अतिरिक्त ये रसायन मानव एवं पशुओं के लघु एवं दीर्घ कालीन स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी पैदा कर रही हैं।ऐसे में हमे पौराणिक परंपरागत कृषि पद्धति को अपनाना जरूरी है,रसायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभाव से कृषि पारिस्थितिकी तंत्र, पर्यावरण, जैव विविधता, जल स्त्रोंतों एवं मानव

जीवन को बचाया जा सके। इसके लिए प्राकृतिक खेती के तरीके अपना कर अल्पकालीन व दीर्घकालीन लक्ष्य की प्राप्ति संभव है।प्राकृतिक खेती से कृषि से जुड़ी अनेक समस्याओं का समाधान मिल सकता है। डा.आशीष ने कहा कि प्राकृतिक खेती से अवसर आहार असुरक्षा, किसानों का मानसिक तनाव, कृषि रसायनों, पेस्टीसाईडस एवं उर्वरकों के दुष्प्रभावों से होने वाले स्वास्थ्य विकार, वैश्विक तापमान में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन एवं प्राकृतिक आपदा से मुक्ति पाया जा सकता है। प्राकृतिक खेती से न्यूनतम लागत से अधिकतम प्राप्ति की जा सकती है।साथ ही इसमें रोजगार सृजन की भी असीम संभावनाएं है, जिससे ग्रामीण युवाओं का पलायन कम हो सकता है। साथ ही पशुधन के अध्यवसाय के समन्वय से पारिस्थितिकी तंत्र सुव्यवस्थित और सुद्दढ़ होगा। उन्होने बताया कि पर्यावरण सुरक्षित जैव उत्पाद यथा जीवामृत एवं बीजामृत, गाय के गोबर, मूत्र व अन्य प्राकृतिक पदार्थों से ही तैयार किये जाते हैं। कैसे बनाये जीवामृत जीवामृत एक सूक्ष्मजीवाणु उत्प्रेरक निर्मित घोल है ।

तीन नए कानूनों पर पटना के ज्ञान भवन में दो दिवसीय सेमिनार

एजेंसी

पटना। पटना के ज्ञान भवन में नए आपराधिक कानूनों पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के तौर पर पटना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस, पुलिस महानिदेशक, बिहार एवं भारतीय पुलिस सेवा के वरीय पदाधिकारियों के साथ कई अन्य गणमान्य लोगों ने शिरकत की। एक जुलाई से लागू तीन नए कानूनों (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय न्याय संहिता 2023 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023) को लेकर पटना हाई कोर्ट और राज्य सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 27-28 जुलाई को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। चीफ जस्टिस केवी चन्द्रन ने इस दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि इन

तीन नये कानूनों से आम नागरिकों को काफी सुविधा होगी। उन्होंने फोरेंसिक जांच की महत्ता पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। इस मौके पर जस्टिस आशुतोष कुमार ने कहा कि योग्य अनुसन्धानकर्ता के होने से मामलों के निष्पादन में काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। राज्य सरकार के महाधिवक्ता पीके शाही ने कहा कि चीफ जस्टिस केवी चन्द्रन की सलाह पर इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि पहले की तरह अब सालों ट्रायल नहीं चलेगा। उन्होंने उम्मीद जताया कि इन नये कानूनों से लोगों को शीघ्र न्याय मिल सकेगा। पुलिस इन नये कानूनों के तहत काम करना शुरू किया है। अरविन्द चौधरी, गृह सचिव ने सभी अथितियों का स्वागत किया। उन्होंने आपराधिक मामलों के प्रक्रिया को बेहतर बनाये जाने पर प्रकाश डाला। राज्य के विभिन्न अदालतों में लगभग सोलह लाख अस्सी हजार मामले सुनवाई के लिए लंबित हैं।

राज्य के डीजीपी आरएस भट्टी ने कहा कि नये कानून में डिजिटल अनुसन्धान पर जोर दिया गया है। नये कानूनों को प्रभावी तरीके से लागू किया जायेगा। विकास आयुक्त सह प्रभारी मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद ने कहा कि कानून का राज्य कैसे स्थापित हो, इसको प्राथमिकता के आधार पर तय करना होगा। पीड़ितों को प्रभावी न्याय दिलाना इन कानूनों का उद्देश्य है।

41 लीटर देशी शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

किशनगंज। सदर थाना पुलिस ने मझिया रोड से 41 लीटर देशी शराब के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया व्यक्ति दिनेश राय मझिया रोड का रहने वाला है।कार्रवाई अपर थानाध्यक्ष राकेश कुमार के नेतृत्व में की गई। शराब बंगाल से लाया जा रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बंगाल की ओर से शहर में शराब लाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस सतर्क हो गई और चेकिंग अभियान चलाया गया।चेकिंग के दौरान उक्त व्यक्ति को रुकवाया गया। उसके पास चार अलग अलग झोला था। झोले में जांच की गई तो शराब बरामद किया गया। शराब बरामद होते ही आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ कर रही है।यह पता लगाया जा रहा है की इससे पहले भी शराब लाया गया था ।

श्रावणी मेला में कई नई सुविधाओं की हुई शुरूआत, कांवरियों में प्रसन्नता

एजेंसी

भागलपुर। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला में सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा कई नई सुविधाओं की शुरूआत की गई है। जिससे कांवरियों के बीच हर्ष एवं उल्लास का माहौल दिख रहा है। नई सुविधाओं में नमामि गंगे घाट पर निःशुल्क लॉकर की सुविधा कांवरियों के लिए उपलब्ध कराई गई है, कांवरिया गण स्नान से पूर्व लॉकर में रुपए पैसा, मोबाइल, एटीएम अन्य कीमती सामान रखकर निश्चिन्त होकर गंगा में स्नान कर बाबा पर जलाभिषेक करने का संकल्प के साथ गंगा जल लेकर आते हैं और पुनः लॉकर से सामान आदि लेकर आगे चल पड़ते हैं। नमामि गंगे घाट एवं सीढ़ी घाट पर जाली युक्त बैरिकेडिंग लगाई गई है। जिससे गंगा स्नान शत प्रतिशत सुरक्षित हो गया है। कांवरियों के ठहरने के लिए के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सौजन्य से जिला प्रशासन द्वारा नमामि गंगे घाट पर 4000 आवासन क्षमता वाले जर्मन हैंगर का निर्माण किया गया है। पर्यटन विभाग बिहार सरकार के सौजन्य से जिला प्रशासन भागलपुर द्वारा भागलपुर के धांधी बेलारी में 200 आवासन क्षमता वाला टेंट सिटी का निर्माण करवाया गया है। वहीं नगर विकास एवं आवास विभाग के सौजन्य से 4000 आवासन क्षमता वाला टेंट सिटी का निर्माण किया जा रहा है।

कोलकाता > सीबीआई की चार्जशीट में सनसनीखेज जानकारी

17 नगर पालिकाओं में 1 हजार 834 अवैध नियुक्तियां

संवाददाता

कोलकाता। राज्य की 17 नगर पालिकाओं में 1 हजार 834 लोगों की नियुक्ति अनियमित तरीके से की गयी है। इसी जुलाई की शुरूआत में सीबीआई की जांच में ऐसी सनसनीखेज जानकारी सामने आई थी। आरोप पत्र के आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा 329 लोग दक्षिण दम दम नगर पालिका में अवैध रूप से कार्यरत थे। इसके बाद कामरहाटी नगर पालिका का नाम आता है। इस नगर पालिका में 303 लोगों को अवैध तरीके से नियुक्त किया गया है। बारानगर नगर पालिका सार्वजनिक भर्ती भ्रष्टाचार की सूची में तीसरे स्थान पर है। सीबीआई का आरोप है कि इस नगर पालिका में 276 लोगों को अवैध तरीके से नियुक्त किया गया था। कोरोना के दौरान दक्षिण दम दम नगर पालिका में 329 लोगों की अवैध नियुक्ति की जानकारी नगर निगम भर्ती भ्रष्टाचार मामले में दक्षिण दम दम नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन पंचू रॉय के खिलाफ सीबीआई ने कोर्ट में आरोप पत्र

पेश किया है। नगर पालिका भर्ती भ्रष्टाचार मामले में पहली चार्जशीट में पंचू रॉय के अलावा, अयान शील और उनकी कई कंपनियां आरोपियों में शामिल हैं। सीबीआई ने दावा किया कि नगर पालिका की नौकरी पर रखने की जिम्मेदारी आरोपी आयन शील की कंपनी के हाथ में थी। आयन शील को भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। बाद में, उन्हें भर्ती भ्रष्टाचार के आरोप में सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। 17 नगर पालिकाओं में से किन-किन नगर पालिकाओं में कितनी अवैध नियुक्तियां हुईं, इस बात का खुलासा सीबीआई की चार्जशीट में हुआ है। सीबीआई की सूची के अनुसार, दक्षिण दमदम नगर पालिका में 329,कामारहाटी नगर पालिका में 303, बारानगर नगर पालिका में 276, टीटागढ़ नगर पालिका में 221, कृष्णानगर नगर पालिका में 200, राणाघाट नगर पालिका में 101, न्यू बराकपुर नगर पालिका में 74, उत्तरी दमदम नगर पालिका में 64, दमदम नगर पालिका में ६१, कांचरापाड़ा नगर पालिका में 49, हालीशहर नगर पालिका में 39, बदुरिया नगर पालिका में 39, बीरनगर नगर पालिका में 26, डायमंड हार्बर नगर पालिका में 18, उलुबेरिया नगर पालिका में 18, ताकी नगर पालिका में 15, नवद्वीप नगर पालिका में 1 को अवैध तरीके से नियुक्ति की गई। आरोप पत्र में उल्लेख किया गया है कि इन 1,834 लोगों को अनियमित रूप से नियोजित किया गया था। इन्हें क्लर्क, सफाईकर्मी, ड्राइवर, हेल्पर समेत विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया है। सीबीआई का दावा है कि आयन शील की नियुक्ति उनके संगठन के माध्यम से नगर पालिका में की गई थी। एजेंसी को प्रश्नपत्र व ओएमआर शीट तैयार करने की जिम्मेदारी दी गयी थी। यह संगठन परीक्षा आयोजित करने और परिणाम प्रकाशित करने के लिए जिम्मेदार था। सीबीआई का आरोप है कि आयन शील ने इस अवसर का इस्तेमाल नौकरी चाहने वालों से भारी मात्रा में धन इकट्ठा करने के लिए किया।

भर्ती घोटाले में गिरफ्तार किए गए कुंतल घोष और शांतनु बनर्जी के आधार पर ईडी ने पिछले साल प्रमोटर आयन शील के साल्ट लेक कार्यालय पर छापा मारा था। आयन के कंप्यूटर की जांच के दौरान ईडी को राज्य की करीब 60 नगर पालिकाओं में हुई भर्तियों की जानकारी मिली। उस जानकारी के आधार पर सीबीआई ने जांच शुरू की। सीबीआई का आरोप है कि 17 नगर पालिकाओं की भर्तियों में अनियमितताएं हुई हैं।

सरकारी अस्पतालों में अवैध पार्किंग, एंबुलेंस प्रवेश ना करने से नवजात की मौत

संवाददाता

कोलकाता। अस्पताल के चारों ओर मोटर बाइकें बिखरी हुई हैं। और अवैध रूप से पार्क की गई मोटरसाइकिल पर एम्बुलेंस की चपेट में आने से एक नवजात की मौत हो गई। जिला सदर अस्पताल के अधिकारियों ने अवैध बाइक पार्किंग की शिकायत स्वीकार कर ली है। हालांकि अस्पताल प्रशासन यह मानने से इनकार कर रहा है कि बच्चे की मौत के लिए अवैध पार्किंग जिम्मेदार है।

चौबीस वर्षीय गर्भवती बधु सुष्मिता संथाल को कालचीनी के रंगमती स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराई गयी थी। उन्हें लताबाड़ी ब्लॉक अस्पताल रेफर कर दि गयी थी। वहां से सुष्मिता को फिर से अलीपुरद्वार जिला मुख्यालय अस्पताल रेफर कर दिया गया। आरोप है कि सुष्मिता को लेकर अलीपुरद्वार जिला मुख्यालय अस्पताल के प्रवेश द्वार पर अवैध रूप से खड़ी बाइक में एंबुलेंस फंस गई। और इसी के चलते सुष्मिता ने सड़क पर बच्चे को जन्म दिया। नवजात की मृत्यु हो गयी।

सुष्मिता की मां नीलमणि संताल ने कहा, 'जंक्शन एरिया में बच्चों की डिलीवरी सड़क पर हुई। इसके बाद एंबुलेंस ने अस्पताल के पीछे से घुसने की कोशिश की। जाम के कारण एंबुलेंस प्रवेश नहीं कर पाती है। इसके बाद एंबुलेंस घूमकर अस्पताल के सामने प्रबेश की। लेकिन वहां भी प्रसूति वार्ड के सामने कड़ी 20-25 बाइकों में एंबुलेंस फंस गई। जब बाइक को हटाकर एंबुलेंस ने ढुकि तब तक बच्चे की मौत हो गई।

कामिका एकादशी के दिन घर लाएं ये 4 चीजें, नहीं होगी कभी धन की कमी

हिंदू धर्म में सभी एकादशी तिथि का विशेष महत्व बताया गया है। वहीं सावन माह में पड़ने वाली कामिका एकादशी को उत्तम फलदायी माना गया है। ऐसी मान्यता है कि अगर आपने पूरे साल एकादशी के दिन पूजा-पाठ और व्रत न रखा हो और सावन माह की एकादशी तिथि के दिन व्रत रख लें। तो उसे सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति हो सकती है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु के साथ-साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने की महिमा है। कामिका एकादशी के सुख-समृद्धि के लिए व्यक्ति कई तरह के उपाय करता है। अब ऐसे में कामिका एकादशी के दिन कुछ ऐसी चीजें हैं। जिसे घर लाने से व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है।

कामिका एकादशी के दिन घर लाएं बांसुरी

कामिका एकादशी के दिन आप बांसुरी घर खरीदकर लाएं और बांसुरी की पूजा करने के बाद भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित करें। ऐसी इसलिए, क्योंकि भगवान विष्णु के अवतार भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बेहद प्रिय है। द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण हमेशा अपने पास बांसुरी रखा करते थे। इसलिए उन्हें बांसुरी वाला भी कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि घर में बांसुरी लाने से और रखने से वास्तु दोष से छुटकारा मिलता है। इसलिए कामिका एकादशी के दिन बांसुरी अवश्य लाएं।

कामिका एकादशी के दिन घर लाएं गदा

कामिका एकादशी के दिन घर गदा जरूर लेकर आएं। बता दें, सृष्टि के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु को भुजाधारी भी कहा जाता है। उनके एक हाथ में कमल, तो दूसरे हाथ में सुदर्शन चक्र है। तीसरे हाथ में गदा और चौथे हाथ में पाञ्चजन्य शंख है। अगर आप भी विष्णु जी की कृपा पाना चाहते हैं, तो कामिका एकादशी के दिन गदा जरूर लेकर आएं। इससे घर में सुख-समृद्धि का वास होगा।

भगवान बुद्ध की प्रतिमा

कामिका एकादशी के दिन भगवान बुद्ध की प्रतिमा घर लेकर अवश्य आएं। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपके पारिवारिक जीवन में कलह-क्लेश उत्पन्न हो रहा है, तो कामिका एकादशी के दिन भगवान बुद्ध की प्रतिमा जरूर लाएं। इससे घर में सुख-समृद्धि और शांति का वास होता है।

पाञ्चजन्य शंख

कामिका एकादशी के दिन पाञ्चजन्य शंख घर लेकर आएं। ऐसी मान्यता है कि पाञ्चजन्य शंख घर लाने से नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही उत्तम फलों की भी प्राप्ति हो सकती है।

कामिका एकादशी के दिन ऐसे करें लड्डू गोपाल का श्रृंगार, खुश हो जाएंगे नंदलाल

शास्त्रों में ऐसा वर्णित है कि एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है। इसलिए हर एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। हालांकि सावन में पड़ने वाली एकादशी पर भगवान विष्णु के साथ उनके अवतारों की पूजा का भी महत्व माना गया है।

श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को कामिका एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस साल कामिका एकादशी 31 जुलाई, दिन बुधवार की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। साथ ही, ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु के अवतार श्री कृष्ण के बाल रूप की सेवा एवं श्रृंगार भी अवश्य करने चाहिए। तो चलिए जानते हैं कि आखिर क्यों कामिका एकादशी पर लड्डू गोपाल की पूजा का है विशेष महत्व और कैसे करें लड्डू गोपाल का श्रृंगार।

लड्डू गोपाल की पूजा क्या है महत्व?

शास्त्रों में ऐसा वर्णित है कि एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है। इसलिए हर एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। हालांकि सावन में पड़ने वाली एकादशी पर भगवान विष्णु के साथ उनके अवतारों की पूजा का भी महत्व माना गया है। विशेष रूप से श्री कृष्ण की आरधना का। शास्त्रों में वर्णित है कि भगवान विष्णु भले ही चार माह के लिए निद्रा में चले जाते हैं लेकिन उनके अवतार जागृत रहते हैं। इसी कारण श्री राम और श्री कृष्ण या उनके बाल रूप की चातुर्मास और विशेष रूप से इस दौरान पड़ने वाली एकादशियों पर पूजा करना बहुत ही शुभ माना जाता है।

लड्डू गोपाल का श्रृंगार कैसे करना चाहिए?

कामिका एकादशी के दिन लड्डू गोपाल की सेवा करने से चातुर्मास की अशुभता दूर हो जाती है। इसलिए लड्डू गोपाल का श्रृंगार भी चातुर्मास की एकादशियों में अलग तरह से किया जाता है। वहीं, कामिका एकादशी के दिन लड्डू गोपाल का शिव श्रृंगार करना श्रेष्ठ पुण्यकर माना गया है। असल में सावन का महीना शिव जी का है। ऐसे में इसमें पड़ने वाली कामिका एकादशी पर लड्डू गोपाल का श्रृंगार भी शिव जी की तरह किया जाता है। लड्डू गोपाल को त्रिपुंड तिलक लगाते हैं, रुद्राक्ष की माला पहनाते हैं, बांसुरी की बजाय त्रिशूल और डमरू रखते हैं, हरी पोषक धारण कराते हैं।

कामिका एकादशी के दिन इन चीजों के दान से सभी मनोकामनाएं होंगी पूरी

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही जीवन में चल रही बाधाएं भी दूर हो सकती है। कामिका एकादशी के दिन किन चीजों का दान करने से लाभ हो सकता है। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

कामिका एकादशी हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण व्रत है जो श्रावण मास के कृष्ण पक्ष में मनाया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा की जाती है। इस एकादशी के व्रत को करने से व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो जाता है, यहां तक कि ब्रह्महत्या और भ्रूण हत्या जैसे गंभीर पापों का भी निवारण होता है। कामिका एकादशी के व्रत से व्यक्ति को वैभव, समृद्धि और सुख-शांति की प्राप्ति होती है। इस दिन दीपदान करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। अब ऐसे में कामिका एकादशी के दिन कुछ चीजों का दान करने से व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

कामिका एकादशी के दिन करें अन्न दान

हिंदू धर्म में दान करना पुण्य का काम माना जाता है। अन्न दान को सबसे बड़ा दान माना जाता है क्योंकि अन्न जीवन का आधार है। कामिका एकादशी के दिन किया गया अन्न दान करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है। इसलिए इस दिन

अन्न का दान विशेष रूप से करें।

कामिका एकादशी के दिन करें वस्त्र दान

कामिका एकादशी के दिन वस्त्र का दान करना भाग्यशाली माना जाता है। इसलिए इस दिन वस्त्र दान विशेष रूप से करें। इससे व्यक्ति के जीवन में चल रही सभी परेशानियां दूर हो सकती है। इस बात का ध्यान रखें कि अगर आप किसी भी जातक को वस्त्र दान कर रहे हैं, तो नए वस्त्र दें और इसके अलावा आप पुराने वस्त्र भी धोकर दान कर सकते हैं।

कामिका एकादशी के दिन करें गुड़ का दान

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करने के बाद गुड़ का दान विशेष रूप से करें। ऐसा कहा जाता है कि गुड़ का दान करने से व्यक्ति को कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही भगवान विष्णु को गुड़ बेहद प्रिय है। साथ ही ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी जातक के विवाह में किसी प्रकार की कोई परेशानी आ रही है, तो गुड़ का दान शुभ फलदायी साबित हो सकता है।

कामिका एकादशी के दिन करें घी का दान

कामिका एकादशी के दिन घी का दान करना उत्तम फलदायी माना जाता है। इस दिन घी का दान करने से व्यक्ति को आरोग्य की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही व्यक्ति को दीर्घायु होने का वरदान मिलता है। इसलिए कामिका एकादशी के दिन घी का दान विशेष रूप से करें।

कामिका एकादशी पर दुर्लभ ध्रुव समेत बन रहे हैं ये 7 अद्भुत संयोग, बनेंगे सारे बिगड़े काम

कामिका एकादशी व्रत की महिमा विष्णु पुराण में वर्णित है। वैष्णव समाज के लोग एकादशी पर्व धूमधाम से मनाते हैं। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसके अलावा जाने-अनजाने में किए समस्त पाप भी नष्ट हो जाते हैं। इस अवसर पर साधक श्रद्धा भाव से भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करते हैं।

सनातन धर्म में एकादशी तिथि भगवान विष्ण को समर्पित है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। साथ ही भगवान विष्णु के निमित्त व्रत-उपवास रखा जाता है। भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही मृत्यु उपरांत बैकुंठ लोक की प्राप्ति होती है। इस वर्ष कामिका एकादशी 31 जुलाई को है। यह पर्व हर वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। ज्योतिषियों की मानें तो कामिका एकादशी तिथि पर दुर्लभ ध्रुव योग का निर्माण हो रहा है। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है।

शुभ मुहूर्त

सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 30 जुलाई को संध्याकाल 04 बजकर 44 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 31 जुलाई को संध्याकाल 03 बजकर 55 मिनट पर होगा। अत: 31 जुलाई को कामिका एकादशी मनाई जाएगी। जबकि, 1 अगस्त को सुबह 05 बजकर 43 मिनट से लेकर 08 बजकर 24 मिनट के मध्य साधक पारण कर सकते हैं।

ध्रुव योग

ज्योतिषियों की मानें तो कामिका एकादशी पर दुर्लभ ध्रुव योग का निर्माण हो रहा है। कामिका एकादशी तिथि पर ध्रुव योग दोपहर 02 बजकर 14 मिनट तक है। इस योग में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ कार्यों में सफलता मिलती है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग भी दिन भर है।

शिववास योग

देवों के देव महादेव कामिका एकादशी पर जगत की देवी मां पार्वती के साथ कैलाश पर्वत पर विराजमान रहेंगे। भगवान शिव दोपहर 03 बजकर 55 मिनट तक कैलाश पर रहेंगे। इसके बाद नंदी पर सवार होंगे। इस दौरान भगवान शिव का अभिषेक करने से साधक को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होगी। इस तिथि पर बालव और कौलव करण के योग भी बन रहे हैं। साथ ही रोहिणी नक्षत्र का भी संयोग बन रहा है।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 05 बजकर 57 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 07 बजकर 09 मिनट पर
चन्द्रोदय- देर रात 02 बजकर 38 मिनट पर
चंद्रास्त- दोपहर 03 बजकर 59 मिनट पर (25 जुलाई)
ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 31 मिनट से 05 बजकर 14 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 45 मिनट से 03 बजकर 38 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 07 बजकर 09 मिनट से 07 बजकर 31 मिनट तक
निशिता मुहूर्त - रात्रि 12 बजकर 12 मिनट से 12 बजकर 55 मिनट तक

कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़िए क्यों बोलते हैं बोल बम बम भोल

सावन का महीना शुरू हो गया है और इस दौरान शिव भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। ऐसे में यात्रा के दौरान कांवरिया बोल बम बम भोले क्यों बोलते हैं, चलिए जानते हैं।

हर साल सावन मास में शिव भक्त कांवड़ यात्रा करते हैं। इस दौरान शिव भक्त अधिक से अधिक संख्या में गंगा नदी या किसी पवित्र नदी के जल को कांवड़ में भरकर भगवान शिव के मंदिर में शिवलिंग पर अर्पित करते हैं। कावड़िया सावन शिवरात्रि के खास अवसर पर शिव जी को गंगा नदी का जल अर्पित करते हैं। कावड़िया पैदल चलते हुए कांवड़ यात्रा को पूरा करते हैं। इस दौरान कांवरिया बोल बम बम भोले मंत्र का जाप करते हुए यात्रा निकालते हैं और शिव जी पर जल चढ़ाने तक इस मंत्र का जाप करते हैं। क्या आपको पता है कि कांवड़ यात्रा के दौरान भक्त बोल बम बम भोले क्यों कहते हैं?

सदियों से सावन मास में कांवड़ यात्रा करने की प्रथा है। इस यात्रा में भगवान शिव का गंगा नदी के जल से अभिषेक किया जाता है और सोमवार का व्रत रखा जाता है। कांवड़िया केसरिया रंग के कपड़े पहन इस यात्रा को शुरू करते हैं। कावड़िया भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनकी कृपा पाने के लिए कई किलोमीटर पैदल यात्रा कर शिव जी को जल अर्पित करते हैं। इस यात्रा के लिए जो भी पवित्र, प्रसिद्ध मंदिर और नदी मिले, वहां से यात्रा प्रारंभ कर शिव जी को जल अर्पित किया जाता है। मान्यता है कि कांवड़ यात्रा से भगवान शिव अपने भक्तों से बहुत प्रसन्न होते हैं, और उनकी सभी मनोकामनाओं को पूरा करते हैं। यात्रा के दौरान बोल बम बम भोले का जयकारा लगाने से कांवड़ यात्रा शिवमय हो जाता है और भक्तों में नया उत्साह और जोश उत्पन्न होता है। कहा जाता है कि शिव जी के इस नाम का लगातार जाप करने से यात्रा में किसी तरह की बाधा नहीं आती है और बिना विघ्न और बाधा के कावड़ यात्रापूरी होती है। बता दें कि बोल बम एक सिद्ध मंत्र है, जिसे विस्तार से समझा जाए तो बम शब्द का अर्थ है ब्रह्मा, विष्णु, महेश और ओमकार का प्रतीक है। इस मंत्र का लगातार जाप करने से शरीर में नई ऊर्जा आती है।

कांवड़ यात्रा के दौरान इन बातों का रखें खास ध्यान

सावन का महीना सभी शिव भक्तों के लिए बहुत खास है। शिव भक्त कांवड़िया बन कर ये गंगाजल को कांवड़ में भरकर शिवलिंग पर अभिषेक करते हैं। सावन मास के शुरुआत के साथ ही गंगाजल भरकर कांवड़िया पैदल चलते हुए उस जल से शिवाभिषेक करते हैं। मान्यता के अनुसार कांवड़ियों का मानना है कि कांवड़ भगवान शिव का स्वरूप है, जिसे कभी भी जमीन में रखकर उसका अपमान नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा कांवड़ में भरा हुआ जल भगवान शिव को चढ़ता है, ऐसे में कांवड़िया जमीन पर रखे हुए जल को भगवान शिव के ऊपर नहीं चढ़ाते हैं। जिस मार्ग में कांवड़िया विश्राम के लिए रुकते हैं, उस स्थान में कावड़िया स्टैंड या पेड़ पर कांवड़ को रखते हैं, ताकि कांवड़ जमीन को स्पर्श न हो। कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों को कुत्तों से सावधान रहना चाहिए। शास्त्रों में कुत्ते को भगवान काल भैरवका वाहन कहा गया है। काल भैरव भगवान शिव का संहारक रूप है। बता दें कि कुत्ता तामसिक आहार का सेवन करते हैं, इसलिए इन्हें अपवित्र माना जाता है। इसलिए कुत्तों के द्वारा किसी भी पवित्र चीज को स्पर्श करने बचना चाहिए। बता दें कि यदि कांवड़ के जल को कुत्ता छू ले तो वह अशुद्ध हो जाता है। ऐसे में कांवड़ियों को फिर से जल भरकर लाना पड़ता है और अपनी यात्रा पुन: प्रारंभ करना पड़ता है। कांवड़ यात्रा के दौरान चमड़े की चीजों से दूर रहें और भोजन में मांस-मदिरा का सेवन न करें और अन्य तामसिक और राजसिक भोजन के सेवन से बचें।

संक्षिप्त खबरें

डोनाल्ड ट्रंप से मिले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू

वांशिगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीद्वार व पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को फ्लोरिडा रिसॉर्ट में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। इससे एक दिन पहले नेतन्याहू ने वाशिंगटन में राष्ट्रपति जो बाइडन और हैरिस के साथ अलग-अलग बैठकों में मुलाकात की थी। ट्रंप ने नेतन्याहू का गर्मजोशी से स्वागत किया और पत्रकारों से कहा कि उनके बीच 'बहुत अच्छे संबंध' हैं, उन्होंने उनके बीच तनाव के किसी भी संकेत को खारिज कर दिया। हैरिस ने गुरुवार को अपनी सार्वजनिक टिप्पणियों में बाइडन की तुलना में अधिक जोरदार लहजे में बात की, उन्होंने नेतन्याहू पर गाजा में युद्धविराम तक पहुंचने में मदद करने का दबाव डाला। इस बात के बाद हैरिस ने कहा इस युद्ध को समाप्त करने का समय आ गया है, और फिलिस्तीनी नागरिकों पर संघर्ष के प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की। ट्रंप ने शुक्रवार को कमला हैरिस की टिप्पणी को अपमानजनक कहा। इजराइल के अनुसार, इस संघर्ष की शुरूआत 7 अक्टूबर को हुई जब हमास के आतंकवादियों ने गाजा से दक्षिणी इजराइल पर हमला किया।

उद्धव ठाकरे के जन्मदिन पर शिव सैनिकों ने पौधरोपण किया

मेरठ। शिव सेना उद्धव ठाकरे गुट के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को उद्धव ठाकरे का जन्मदिन मनाया। इस दौरान शिव सैनिकों ने उद्धव ठाकरे के नाम पर पौधरोपण किया और एक-एक पौधे अपने घर पर लगाने का संकल्प लिया। छिपी टैंक स्थित शिव सेना कार्यालय पर शनिवार को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री व पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे का 64वां जन्मदिन मनाया। इस दौरान जिला प्रमुख संदीप गर्ग ने सभी शिव सैनिकों को शुभकामनाएं दी। अल्पसंख्यक मोर्चा महानगर अध्यक्ष अजीज ठेकेदार ने सभी शिव सैनिकों में 64 पौधों का वितरण करके उनसे उद्धव ठाकरे का नाम का पौधा अपने निवास पर लगाने का संकल्प दिलाया। प्रदेश महासचिव धर्मेन्द्र तोमर ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने वो करके दिखाया है, जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। केन्द्र सरकार के द्वारा शिव सेना को तोड़कर जिस तरह से शिव सेना का नाम व चिन्ह चुराया गया। पार्टी के विधायकों व सांसदों को तोड़ा गया।

करंट लगने से जल संस्थान कर्मचारी की मौत

ऋषिकेश। गढ़वाल जल संस्थान में कार्यरत एक कर्मचारी की शनिवार को बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गढ़वाल जल संस्थान में कार्यरत कर्मचारी विपिन कुमार (28) पुत्र रमेश कुमार निवासी थाना मुनि की रेती क्षेत्र, टिहरी गढ़वाल की नाइट ड्यूटी थी। शनिवार सुबह ड्यूटी खत्म होने पर वह घर जाने की तैयारी में था। सुबह वह मुंह धोने के लिए नल पर जा रहा था कि वहीं पर गली में रखे कूलर की तार से वह छू गया। तार में करंट आ रहा था, जिससे विपिन बुरी तरह झुलस गया। विपिन को राजकीय चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया।

अवैध शराब का जखीरा बरामद, दो गिरफ्तार

हरिद्वार। कांवड़ मेले के बीच हर की पैड़ी क्षेत्र से अवैध शराब का जखीरा पकड़ा गया है। मेला ड्यूटी पर तैनात पुलिस, पीएसी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की है। दो शराब तस्कर पुलिस की गिरफ्त में आए हैं। इसमें एक आरोपित ने कांवड़िये का वेश धारण किया हुआ था। माना जा रहा है कि कांवड़ियों की भीड़ का फायदा उठाते हुए अवैध शराब का भंडारण किया गया था। इसे मेले के दौरान ही आम दिनों से ज्यादा कीमत पर बेचा जाना था।

धर्मशाला में ठहरे तीन युवकों से चिट्टा बरामद

शिमला। राजधानी शिमला में पंजाब से घूमने आए दो पर्यटकों से मादक पदार्थ चिट्टा बरामद किया गया है। आरोपित पर्यटक शिमला के पुराने बस अड्डे के पास एक धर्मशाला में ठहरे हुए थे। इनके साथ शिमला का एक स्थानीय युवक भी था। शिमला पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को बीते शुक्रवार देर रात को सूचना मिली कि बुटेल धर्मशाला, ओल्ड बस स्टैंड शिमला में तीन युवकों द्वारा अवैध रूप से नशीले पदार्थों की तस्करी की जा रही है। पुलिस टीम बुटेल धर्मशाला के एक कमरे में पहुंची। यहां पर तीन व्यक्ति युवक बैठे हुए थे।

34 ग्राम चरस के साथ दो युवक गिरफ्तार

कुल्लू। थाना निरमंड के अंतर्गत पुलिस ने चरस तस्करी के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया को पूरा किया जा रहा है। जब पुलिस सिंहगाड में नाका पर मौजूद थी। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कार्तिकेयन ने बताया कि पुलिस ने राजेश कुमार पुत्र मानसुख निवासी चमारला डाकघर जाओं तहसील निरमण्ड के कब्जा से 25 ग्राम चरस व योग राज पुत्र रोशन लाल निवासी दोगरी डाकघर जाओं जिला कुल्लू के कब्जा से 34 ग्राम चरस बरामद की है।

मोदी सरकार 3.0 के बजट ने रखी 'विकसित भारत' की नींव

भारत को वैश्विक पर्यटन क्षितिज पर बढ़ाएगा उत्तराखंड : नित्यानंद

- केंद्रीय गृह राज्यमंत्री बोले- पर्यटन के क्षेत्र में उत्तराखंड देशभर में टॉप पर

देहरादून। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं। मोदी सरकार 3.0 के बजट 2024 ने विकसित भारत की नींव रख दी है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की योजना पर आधारित मोदी सरकार का यह बजट गरीब, युवा, किसान व महिलाओं की तरक्की और खुशहाली के साथ देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगा। विश्व के अर्थशास्त्री भी बजट 2024 की तारीफ कर रहे हैं। ऐसे में बजट 2024 परम वैभव की संकल्पना साकार करेगा। ये बातें केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कही।

देहरादून के पेसिफिक होटल में शनिवार को प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की ओर से केन्द्रीय बजट 2024-2025 पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने मी?डिया से बातचीत के दौरान कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में उत्तराखंड देशभर में टॉप पर है। देवभूमि?? उत्तराखंड पर्यटन के साथ आध्यात्मिक और धार्मिक पर्यटन केंद्र है। उत्तराखंड के पर्यटन स्थल विश्व भर को लुभाते हैं। उत्तराखंड को इसका लाभ उच्च स्तर पर मिलेंगे। उत्तराखंड वैश्विक पर्यटन क्षितिज पर भारत को बढ़ाने का कार्य करेगा। वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट से उत्तराखंड के विकास की गति तेज होगी। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद ने बजट में उत्तराखंड के राष्ट्रीय राज्य मार्गों (आधारभूत संरचना) के निर्माण एवं उत्तराखंड के बहुमुखी विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार देश के विकास और खुशहाली के लिए काम कर रहे हैं। केंद्रीय बजट आर्थिक, औद्योगिक, पर्यटन और कृषि क्षेत्र में देश के साथ उत्तराखंड की स्थिति को और मजबूत करेगा।

नित्यानंद ने कांग्रेस सरकार की नाकामियों को भी उजागर किया। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार 2009-14 की तुलना में उत्तराखंड के कर हस्तांतरण में 240 फीसदी वृद्धि हुई है।

संगीत और चिकित्सा विज्ञान में गहरा रिश्ता : डॉ.मिथिलेश

गोरखपुर। एजेंसी

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए चल रही कार्यशाला के तहत शनिवार को विज्ञान और संगीत के अंतःसंबंध पर संगीत विशेषज्ञ डॉ. मिथिलेश तिवारी ने छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि संगीत विषय नहीं बल्कि आराधना है और इसका चिकित्सा विज्ञान में गहरा रिश्ता है।

डॉ. तिवारी ने कहा कि संगीत मानव सभ्यता का एक पुरातन और महत्वपूर्ण हिस्सा है। संगीत और विज्ञान दोनों ही मानव जीवन के महत्वपूर्ण घटक हैं और उन्होंने हमारे समाज, संस्कृति, और जीवनशैली को गहराई से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि कहा कि संगीत का मानव मस्तिष्क और भावनाओं पर गहरा प्रभाव होता है। यह हमारी भावनाओं को व्यक्त करने, समझने और नियंत्रित करने में मदद करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चला है कि संगीत सुनने या बजाने से मानसिक तनाव कम होता है, अवसाद और चिंता की स्थितियों में सुधार होता है, और आत्म-प्रशंसा और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। इसके अलावा, संगीत चिकित्सा के रूप में भी प्रयोग किया जाता है, जिसमें विभिन्न मानसिक और शारीरिक स्थितियों के उपचार के लिए संगीत का उपयोग किया जाता है।

मुख्य वक्ता को डॉ.पवन कुमार कन्नौजिया ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रो. सुनील कुमार, डॉ. अमित, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

क्षय रोग के प्रबंधन में बेहद कारगर है आयुर्वेद : डॉ. जीएस तोमर

गोरखपुर। एजेंसी

विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लाल बहादुर शास्त्री आयुर्वेद महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि क्षय रोग (टीबी) के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति बेहद कारगर है। आयुर्वेद में हजारों वर्षों से इस रोग के कारण, लक्षण और उपचार का विस्तृत वर्णन मिलता है। डॉ. तोमर शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'क्षय रोग का निदान-आयुर्वेदीय दृष्टिकोण' विषयक व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। पूर्व प्राचार्य डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2030 तक विश्व को टीबी मुक्त करने की योजना बनाई है। जबकि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2025 तक ही भारत को टीबी मुक्त करने का संकल्प लिया है। उनका मानना है कि यह लक्ष्य आयुष की सहभागिता के बिना संभव नहीं है।

उनके निर्देश पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं आयुष मंत्रालय के बीच एमओयू हुआ है। आयुर्वेद में टीबी रोग को राजयक्ष्मा कहा गया है। जब रोगी की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है तब माइकोबैक्टीरियम ट्युबरकुलाई नामक जीवाणु संक्रमण द्वारा इस रोग को उत्पन्न करता है।

उन्होंने कहा कि आजकल क्षय रोगियों की संख्या में हो रही वृद्धि ही नहीं बल्कि मल्टी ड्रग रजिस्टेन्ट ट्युबरकुलोसिस सबसे बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने परामर्श देते हुए कहा कि पोषक आहार एवं सही जीवनशैली के साथ आयुर्वेद में वर्णित व्याधिक्षमत्व वर्धक औषधियों के प्रयोग से न केवल एन्टी ट्युबरकुलर ट्रीटमेंट की अवधि को कम किया जा सकता है।

कृषि के बाद टैक्सटाइल उद्योग सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र : गिरिराज

जोधपुर। एजेंसी

केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कृषि के बाद रोजगार देने वाला क्षेत्र है तो वह टैक्सटाइल हैण्डलूम और हैण्डक्राफ्ट है। जोधपुर एक बहुत बड़ा सेंटर है। हैण्डीक्राफ्ट, हैण्डलूम और टैक्सटाइल के क्षेत्र में बहुत आसार यहां है। भारत सरकार हर क्षेत्र में नए- नए विकास कर रही है। राजस्थान में भी जितना हो सकेगा उसमें कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। वे जोधपुर प्रवास पर कई कार्यक्रमों में भाग लेने आए और यहां एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने पत्रकारों के सवाल पर कहा कि देश में बढ़ती आबादी से आज भारत पूरे विश्व का पहली आबादी वाला देश बन गया है। यह मेरे लिए अवसर भी है और चुनौती भी है। आने वाले समय में भारत बीस प्रतिशत आबादी वाला देश होगा, मगर हमारे पास मात्र 4 प्रतिशत जमीन है। दो ढाई प्रतिशत पानी है। इसलिए इस पर अब कोई कानून बनना चाहिए। उन्होंने कहा- निश्चित रूप से इस पर सडक से लेकर संसद तक बहस होनी चाहिए।

एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं ने किया अभिनंदन स्वागत

कैंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरीराज सिंह के जोधपुर पहुंचने पर यहां एयरपोर्ट पर भाजपा के कई नेताओं ने उनकी अगवानी करने साथ दुपट्टा पहिना कर स्वागत और अभिनंदन किया। एयरपोर्ट पर जै श्रीराम के नारे भी गूंजे। भाजपा के राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, स्थानीय विधायकों सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता एयरपोर्ट पर मौजूद रहे।

हाथियों के दल ने दो सगे भाइयों को उतारा मौत के घाट

जशपुर/रायपुर। जशपुर जिले में शुक्रवार रात तपकरा वन परिक्षेत्र के ग्राम केरसई में हाथियों के दल ने एक घर को तोड़ दिया और घर में सो रहे दो सगे भाइयों को पटक-पटककर मार डाला। परिवार के अन्य सदस्यों ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार तपकरा के ग्राम केरसई गांव में शुक्रवार रात पांच हाथियों का दल गांव में पहुंचा। इस दौरान उत्पात मचाते हुए हाथियों के दल ने एक घर को तोड़ दिया और घर में सो रहे दो सगे भाई कोकड़े (45 वर्ष) और पड़वा पर हमला कर मार डाला। दोनों भाइयों की मौत से घर में मातम पसर गया है। मामले की सूचना पर वन विभाग की टीम और पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर जशपुर डीएफओ जितेन्द्र उपाध्याय भी रहे। वहीं वन विभाग के द्वारा लगातार लोगों को हाथीयों से दूर रहने की सलाह दी जा रही है।

हेरोइन तस्करी के आरोप में दो युवक से 40 ग्राम हेरोइन बरामद

कुल्लू। थाना मनाली के अंतर्गत पुलिस ने हेरोइन की बड़ी खेप बरामद की है। आरोपीयों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस रिमांड हासिल करने के लिए न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया को पूरा किया जा रहा है। नशा तस्करी का मामला शुक्रवार देर सायं उस दौरान सामने आया जब पुलिस टीम वोल्वो बस स्टैंड में गश्त पर थी। इस दौरान वहां मौजूद 2 युवक पुलिस को देखकर छुपने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने संदेह के आधार पर दोनों युवकों को दबोच लिया। जिनसे तलाशी के दौरान 40 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई। पुलिस ने नशे की खेप को कब्जे में लेकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कार्तिकेयन ने बताया कि पुलिस ने आरोपी लाभ सिंह (26) पुत्र श्ररणजीत सिंह निवासी जोहलन तहसील रायकोर्ट जिला लधियाना (पंजाब) व राम सिंह (29 वर्ष) पुत्र मलकित सिंह निवासी गाँव व डाकघर निहालूवाल तहसील व जिला बरनाला (पंजाब) के विरुद्ध मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

न्यायपालिका मजबूत है इसलिये भारत का लोकतंत्रत मजबूत है : ओम बिरला

जोधपुर। एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि न्याय पालिका मजूबत है इसलिये भारत का लोकतंत्रत मजबूत है और इसकी विश्वसनीयता देश और दुनिया में एक अलग पहचान रखती है। राजस्थान हाईकोर्ट की प्लेटेनियम जुबली महोत्सव के तहत आयोजित सेमीनार में भाग लेने आए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एयरपोर्ट पर पत्रकारों से अनौपचारिक वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी न्याय यात्रा बहुत स्पष्ट और पारदर्शी है। लोकतंत्र में न्यायपालिका मजबूत होने से पूरा लोकतंत्र मजबूत रहता है। लोकतंत्र की मजबूती का आभास इसी से होता है कि लोकतंत्र की स्थापना के समय जो विकास के लिये 400 करोड़ से बजट यात्रा शुरू की थी वो आज 48 लाख हजार करोड़ पर पहुंच गई है। राजस्थान हाईकोर्ट का भी देश की न्याय पालिका में विशिष्ट स्थान उन्होंने कहा कि राजस्थान हाईकोर्ट का भी देश की न्याय पालिका में विशिष्ट स्थान रहा है। राजस्थान हाईकोर्ट के कई न्यायाधिपति ने सुप्रीम कोर्ट में भी न्यायाधपति की भूमिका निभाई है। इसके साथ राजस्थान हाईकोर्ट में वकालत करने वाले कई अधिवक्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट तथा अंतराष्ट्रीय कोर्ट में भी अपनी वकालत का लोहा मनवाया है। राजस्थान हाईकोर्ट की प्लेटेनियम जुबली के अवसर पर न्याय प्रणाली के सशक्तीकरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर आयोजित इस सेमीनार के मुख्य वक्ता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला होंगे।

जिला मजिस्ट्रेटों व पुलिस अधीक्षकों की कार्य प्रणाली से हाईकोर्ट नाराज

प्रयागराज। एजेंसी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगचार्ट की स्वीकृति देते समय पूर्व में टाइप शुदा संतुष्टि पर हस्ताक्षर करने, गैंग चार्ट पर हस्ताक्षर तिथि का उल्लेख न करने और एफआईआर दर्ज करते समय संगत प्रावधानों का उल्लेख न करने पर पुलिस अधीक्षकों, जिला मजिस्ट्रेटों या पुलिस आयुक्तों की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा है कि ये अधिकारी अपने गैंग चार्ट की स्वीकृति देते समय अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। साथ ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा सन्नी मिश्रा, हासिम और राजीव कुमार उर्फ रज्जू के मामले में दिए गए आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं। लिहाजा, सरकार गैंगस्टर अधिनियम के तहत सक्षम प्राधिकारियों को प्रशिक्षण या क्रैश कोर्स के लिए भेजे, ताकि वे गैंगस्टर और असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) नियम 2021 के साथ-साथ इस न्यायालय द्वारा जारी कई निदेर्शों के अनुसार गैंग चार्ट तैयार करना सीख सकें। कोर्ट ने प्रमुख सचिव, गृह सचिव को जरूरी कदम उठाने को भी निर्देश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति अरूण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ ने महोबा के अब्दुल लतीफ, इटावा के हेतराम मित्तल और तस्लीम, बिजनौर के रितिक, मैनपुरी के अनूप उर्फ अनुज की ओर से दाखिल पांच अलग-अलग आपराधिक याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि गैंग चार्ट को देखने से प्रतीत होता है कि जिला मजिस्ट्रेट ने इसे स्वीकृत करते समय अपने हस्ताक्षर के ठीक नीचे कोई तारीख नहीं लिखी। इसलिए उनकी संयुक्त बैठक के बारे में संदेह पैदा होता है।

जबकि, नियम के मुताबिक संयुक्त बैठक कर गैंग चार्ट की स्वीकृति देते समय पूर्व में टाइप संतुष्टी की बजाय अपनी संतुष्टी को स्पष्ट रूप से दर्ज करना चाहिए था। कोर्ट ने कहा कि सन्नी मिश्रा उर्फ संजयन कुमार मिश्रा बनाम स्टेट ऑफ यूपी व अन्य के मामले में न्यायालय ने कहा था कि संयुक्त बैठक के सम्बंध में सामग्री न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जानी चाहिए।

स्वास्थ्य स्वास्थ्य परीक्षण में निकले शुगर और बीपी के मरीज, महिलाओं में खून की कमी

स्वस्थ जीवन शैली ही खुशहाल जीवन का महत्वपूर्ण सूत्र : प्रो सत्यकाम

- भाग-दौड़ के समय में स्वास्थ्य परीक्षण करना अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है

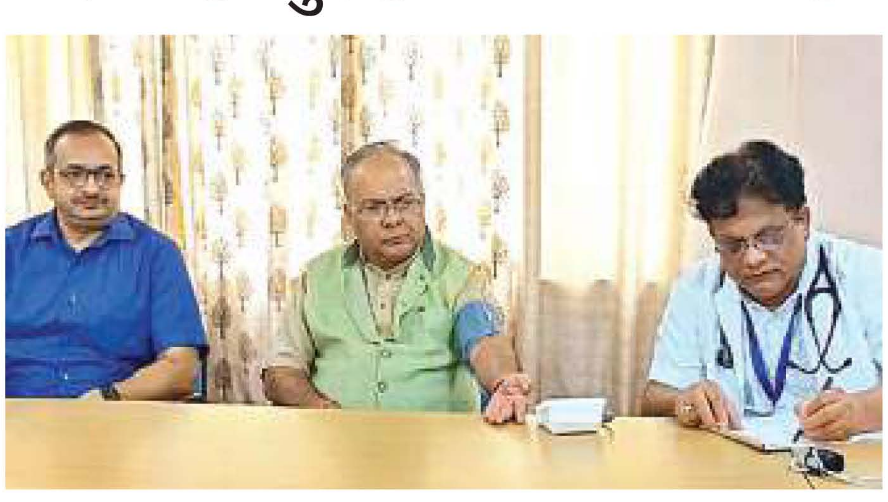

प्रयागराज। एजेंसी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा एवं विनीता हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को सरस्वती परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि स्वस्थ जीवन शैली से ही बीमारी को दूर भगाया जा सकता है। स्वस्थ जीवन शैली ही खुशहाल जीवन का महत्वपूर्ण सूत्र है। नियमित व्यायाम के साथ ही संतुलित आहार और स्वस्थ वातावरण जरूरी है। प्रो. सत्यकाम ने कहा कि कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर विश्वविद्यालय विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ मिलकर विश्वविद्यालय परिसर में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन करता आ रहा है। आज के भाग-दौड़ के समय में स्वास्थ्य परीक्षण करना अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। हर व्यक्ति को वर्ष में दो बार स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य करवाना चाहिए, जिससे हमें अपने स्वास्थ्य के बारे में सही जानकारी प्राप्त हो सके।

इस अवसर पर स्वास्थ्य परीक्षण करने के लिए शिक्षकों एवं कर्मचारियों की भीड़ लगी रही। 75 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। अस्पताल प्रबंधन की तरफ से वजन, लम्बाई, पल्स रेट, ऑक्सीजन लेवल, शुगर तथा ब्लड प्रेशर आदि की जांच की गई। चिकित्सकों ने महिलाओं में खून की कमी को गम्भीरता से लिया और खून बढ़ाने के लिए टॉनिक का सेवन करने के सुझाव दिए। स्वास्थ्य परीक्षण में अधिकांश मामले शुगर और ब्लड प्रेशर से सम्बंधित रहे। कार्य के दौरान थकान महसूस कर रहे कई लोगों को पहली बार पता चला कि उन्हें नियमित दिनचर्या बिगड़ने के कारण शुगर और ब्लड प्रेशर की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा की प्रभारी प्रो.मीरा पाल ने अस्पताल प्रबंधन की तरफ से आए चिकित्सकों एवं पैरा मेडिकल टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने आयोजन के रूपरेखा प्रस्तुत की तथा आयोजन की सफलता के लिए कुलपति प्रो. सत्यकाम के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

केंद्र सरकार जींद में एक बड़ा औद्योगिक कारखाना लगाए : कंडेला

जींद। एजेंसी

जनकल्याण मंच के व भारतीय किसान मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष टेकराम कंडेला ने कहा कि जींद हरियाणा की राजनीति का केंद्र बिंदू है और यहीं से सरकारें बनती व गिरती हैं लेकिन आजतक सभी राजनीतिक दलों ने जींद को अपने निजी स्वार्थ के लिए इस्तेमाल किया है। यहां से किसानों व खाप पंचायत व अन्य आंदोलन सरकार के खिलाफ संघर्ष की शुरूआत होती है। जिला जींद हमेशा से संघर्ष की धरती रहा है।

हरियाणा के जिला जींद में युवाओं में बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा है। कंडेला ने केंद्र व हरियाणा सरकार से मांग है की जींद में कारखाना लगाया जाए। जिसमें कम से कम जींद जिले के 25 हजार युवाओं को रोजगार मिल सके। राष्ट्रीय अध्यक्ष टेकराम कंडेला शनिवार को अपने कार्यालय पर कार्यकताओं के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने मनरेगा स्कीम को कृषि के साथ जोड़े, प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि में बढ़ोत्तरी, प्राकृतिक व मोटी खेती को बढ़ावा देने, युवाओं को नशे से दूर रखने आदि सभी मुद्दों पर उनका संगठन मजबूती से कार्य कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

रोवर बलराज पंवार हीट में रहे चौथे स्थान पर, रेपेचेज राउंड के लिए हैं पात्र

पेरिस। रोइंग में भारत के पेरिस ओलंपिक अभियान की शुरूआत खराब रही और शनिवार को पहली हीट रेस में बलराज पंवार चौथे स्थान पर रहे। बलराज ने 7:07:11 मिनट का समय निकाला और अपनी हीट में छह प्रतियोगियों में से चौथे नंबर पर रहे। प्रत्येक हीट रेस से केवल तीन खिलाड़ी ही सीधे क्वार्टर फाइनल में पहुंच सके। हालाँकि, बलराज के लिए सारी उम्मीदें खत्म नहीं हुई हैं, क्योंकि वह अभी भी रविवार को होने वाले रेपेचेज राउंड में प्रतिस्पर्धा करने के पात्र हैं। हीट वन में न्यूजीलैंड के थॉमस मैकिंटोश 6:55.92 मिनट के समय के साथ पहले स्थान पर रहे। ग्रीस के रोवर स्टेफानोस नटौस्कोस ने 7:01.79 मिनट के समय के साथ दूसरा स्थान अर्जित किया। तीसरा स्थान मिस्र के अब्देलखलेक अल-बन्ना को मिला, जिन्होंने 7:05.06 मिनट का समय निकाला। भारत ने पेरिस 2024 ओलंपिक में केवल एक रोवर को मैदान में उतारा है। अप्रैल में, पंवार ने दक्षिण कोरिया के चुंगजू में एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के पुरुष एकल स्कल स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहकर रोइंग में भारत का पहला पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया था।

बेहद कम अंतर से सरबजोत पेरिस ओलंपिक में मेडल राउंड से चूके

पेरिस। भारतीय निशानेबाज सरबजोत सिंह शनिवार को पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में पदक राउंड के लिए क्वालीफाई करने के बेहद करीब पहुंच गए, लेकिन बेहद कम अंतर के कारण अंततः उन्हें पोडियम पर जगह नहीं मिल पाई। सिंह ने असाधारण कौशल और फोकस का प्रदर्शन करते हुए अपनी एक श्रृंखला में 100 के पूर्ण स्कोर के साथ उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इस प्रभावशाली उपलब्धि के बावजूद, उनकी अंतिम श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण गलती महंगी साबित हुई। वह मेडल टेली में नौवें स्थान पर रहे और फाइनल में मात्र एक अंक से चूक गये। अंतिम परिणाम में सिंह जर्मनी के रॉबिन वाल्टर के साथ बराबरी पर रहे, दोनों ने 577 अंक बनाए। हालाँकि, वाल्टर के अतिरिक्त इनर-10 ने उन्हें बढ़त दिला दी, जिससे सिंह पदक की दौड़ से बेहद कम अंतर से बाहर हो गए। सिंह के साथी अर्जुन सिंह चीमा को भी पूरे आयोजन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मजबूत शुरूआत के बावजूद, चीमा का प्रदर्शन खराब हो गया, खासकर चौथी सीरीज में, जिससे रैंकिंग में काफी गिरावट आई।

हुआंग, शेंग ने पेरिस ओलंपिक में चीन को पहला स्वर्ण दिलाया

पेरिस। विश्व चैंपियन निशानेबाज चीन के हुआंग युटिंग और शेंग लिहाओ ने शनिवार को 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीत हासिल कर अपने देश को पेरिस ओलंपिक का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। चीनी जोड़ी ने चेटेउरौक्स शूटिंग सेंटर में अपने असाधारण कौशल और धैर्य का प्रदर्शन किया। स्वर्ण पदक मैच में उनका सामना दक्षिण कोरिया के क्यूम जी-ह्योन और पार्क हा-जून से हुआ, जिसमें वे 16-12 के स्कोर से विजयी रहे। इससे पहले दिन में कजाकिस्तान की एलेक्जेंड्रा ले और इस्लाम सतपायेव की जोड़ी को कांस्य पदक प्रदान किया गया था। उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए जर्मनी की अन्ना जानसेन और मैक्सिमिलियन उलब्रिच को 17-5 के स्कोर से हराया।

लगातार आठवें खिताब के लिये मैदान पर उतरेगी महिला टीम

दाम्बुला। एजेंसी

एशिया कप टी20 के फाइनल में पहुंची हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली भारतीय महिला टीम रविवार को मेजबान श्रीलंका के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसका इरादा जीत हासिल कर लगातार आठवीं बार प्रतिष्ठित ट्राफी को घर लाना होगा। चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ मैच के साथ टूर्नामेंट का आगाज करने वाली भारतीय टीम लगातार जीत के साथ फाइनल में पहुंची है। हरमनप्रीत की सेना ने अब तक पाकिस्तान को सात विकेट से, संयुक्त अरब अमीरात को 78 रन से और नेपाल को 82 रन से धूल चटाई है जबकि सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने बांग्लादेश को 10 विकेट से धो दिया था। स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा ने बल्ले से धाकड़

प्रदर्शन कर भारत को तेज शुरूआत दिलायी है वहीं दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह ने नियमित अंतराल पर विकेट चटका कर विपक्षी टीम के जीत के मंसूबों पर पानी फेरा है। दीप्ति ने टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक नौ विकेट लिए हैं जबकि रेणुका के खाते में अब तक सात विकेट आये हैं। बल्लेबाजी में कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स को अब तक हाथ खोलने के लिये पर्याप्त मौका नहीं मिला है।

कल के मैच में भारत की टीम को श्रीलंका से सतर्क रहना होगा। मेजबान टीम होने के नाते उसके पास दर्शकों का अपार समर्थन होगा वहीं अकेले दम पर मैच जिताने वाली चमारी अटापट्टे की शानदार फार्म भारत के लिये खतरे का सबब बन सकता है। श्रीलंकाई कप्तान ने मौजूदा टूर्नामेंट मे अब तक 243 रन बनाए हैं।

टीम इस प्रकार है :

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेट कीपर), उमा छेत्री (विकेट कीपर), पूजा वस्त्रकार, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, सजाना सजीवन।

श्रीलंका : चमारी अटापट्टू (कप्तान), अनुष्का संजीवनी, हर्षिता समरविक्रमा, हासिनी परेरा, अमा कंचना, उदेशिका प्रबोदानी, विशमी गुणरथने, काव्या कविंदी, इनोशी प्रियदर्शनी, सुगंधिका कुमारी, अचिनी कुलसूर्या, कवीशा दिलहारी, नीलाक्षी डी सिल्वा, सचिनी निसानसाला, शशिनी गिम्हानी।

ईस्ट जॉन हॉकी चैंपियनशिप में झारखंड पुरुष टीम ने पश्चिम बंगाल को हराया

संवाददाता

रांची। असम के गुवाहाटी में 24 से 31 जुलाई तक आयोजित द्वितीय हॉकी इंडिया सब जूनियर ईस्ट जॉन हॉकी चैंपियनशिप में अपने तीसरे मैच में झारखंड पुरुष टीम ने पश्चिम बंगाल के ऊपर 9-0 से जीत हासिल की। झारखंड टीम के सिमोन डोडराय को उसके शानदार प्रदर्शन पर शनिवार के मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। झारखंड

- झारखंड पुरुष टीम ने पश्चिम बंगाल के ऊपर 9-0 से जीत हासिल की

टीम की लगातार जीत पर हॉकी झारखंड और खेल विभाग के समस्त पदाधिकारियों ने बधाई तथा अगले मैच के लिए शुभकामनाएं दी है। हॉकी झारखंड के उपाध्यक्ष मनोज कोनबेगी ने यह जानकारी दी।

भारतीय 10 मीटर मिश्रित राइफल टीमें क्वालिफिकेशन राउंड में हारीं

- बाबूता, रमिता छठे स्थान पर रहे

पेरिस। एजेंसी

भारतीय निशानेबाज शनिवार को यहां पेरिस ओलंपिक के 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम क्वालीफिकेशन चरण में हार गये। रमिता और अर्जुन बाबूता 628.7 के कुल स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहे, जबकि एलावेनिल वलारिवन और संदीप सिंह 626.3 के कुल स्कोर के साथ 12वें स्थान पर रहे। रमिता और अरहुन बाबुता की जोड़ी करीब आ गई और तीन शॉट शेष रहते हुए पांचवें स्थान पर रही, लेकिन मेडल राउंड कट-ऑफ से 1.0 अंक पीछे रह गई। बबुता ने दूसरी रिले में अच्छी शुरूआत की और उनका क्रम 10.5, 10.6, 10.5, 10.9 रहा, जबकि रमिता दूसरी श्रृंखला में 10.2, 10.7, 10.3, 10.1 हासिल करने में सफल रही, उनका प्रयास टीम को शीर्ष 8 में ले गया। लेकिन, कांस्य पदक दौर में पहुंचने के लिए, उन्हें अंततः जो हासिल हुआ उससे कहीं अधिक करने की जरूरत थी। क्वालीफिकेशन में चीन (प्रथम), कोरिया (द्वितीय) और कजाकिस्तान (तीसरे) के निशानेबाजों का दबदबा रहा। पदक मुकाबलों में प्रवेश के लिए किसी भी टीम को शीर्ष चार में पहुंचना होता है।

ऐतिहासिक उद्घाटन समारोह के बाद पेरिस ओलंपिक 2024 की हुई शुरुआत

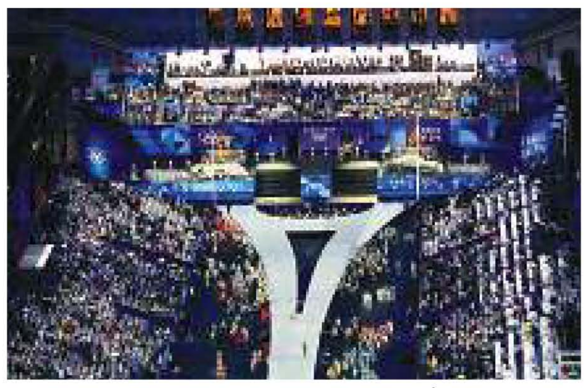

पेरिस। एजेंसी

सीन नदी पर एक शानदार और अपनी तरह के पहले उद्घाटन समारोह के बाद, बहुप्रतीक्षित पेरिस ओलंपिक 2024 की शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को फ्रांस की राजधानी में शुरुआत की घोषणा की गई। ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों के इतिहास में पहली बार ओलंपिक का उद्घाटन समारोह स्टेडियम के बाहर आयोजित किया गया। शानदार उद्घाटन समारोह स्टेडियम के बाहर आयोजित किया गया, जो परंपरा से अलग था, सीन नदी में नावों से एथलीटों का स्वागत किया गया, जो छह किलोमीटर के मार्ग पर एक अनूठा भारतीय टीम का नेतृत्व दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधु और पांच बार के ओलंपियन शरत कमल कर रहे थे। ग्रीष्मकालीन आयोजन के इतिहास में यह पहली बार है कि प्रतिभागी ओलंपिक में नदी के जरिये प्रवेश कर रहे थे।

प्रतिष्ठित फ्रांसीसी मिडफील्डर जिनेदिन जिदान ने उद्घाटन समारोह की शुरूआत करने के लिए ओलंपिक मशाल को लेकर एक पूर्व-रिकॉर्ड किए गए वीडियो में उपस्थिति दर्ज कराई। स्टेड डी फ्रांस से, उन्होंने दौड़ लगाई और मशाल को उठाया। हालांकि, वे मेट्रो में फंस गए और इसे बच्चों तक पहुंचाया। बच्चे कब्रिस्तान से गुजरे और सीन नदी पर पहुँचे, और उसके बाद, प्रसारण को सीन के वास्तविक समय के दृश्य में बदल दिया गया। राष्ट्रों की परेड से पहले, फ्रांसीसी गणराज्य के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक का ट्रोकाडेरो में परिचय कराया गया। राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों ने कुछ अपवादों के साथ, फ्रेंच वर्णमाला क्रम में परेड की। परेड में ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका अंत में आए।

सीन नदी में नौकायन करते हुए, ग्रीस के बाद शरणार्थी ओलंपिक दल आया, जिसमें 37 व्यक्ति शामिल थे। रियो 2016 के लिए गठित होने के बाद से यह ओलंपिक खेलों में उनकी तीसरी उपस्थिति है। अफगानिस्तान तीसरे स्थान पर पहुंचा, जो सीन नदी के मनोरम दृश्य को पार करते हुए दक्षिण अफ्रीका, अल्बानिया और जर्मनी के बाद पहुंचा। थॉमस बाक, जो उपस्थित थे, अपने गृह राष्ट्र जर्मनी के लिए जयकार करने के लिए खड़े हो गए।

अरशद नदीम के नेतृत्व में राष्ट्रों की परेड में शामिल हुआ पाकिस्तान

पाकिस्तान अपने भाला फेंकने वाले खिलाड़ी अरशद नदीम के नेतृत्व में राष्ट्रों की परेड में देश के ध्वजवाहक के रूप में पहुंचा। पाकिस्तान की नाव में कुल सात एथलीट सवार थे, जिनमें तीन महिलाएं और चार पुरुष शामिल थे।

ग्रीस ने की परेड की शुरूआत, साथ ही रंगारंग कार्यक्रमों का भी हुआ आयोजन

पहले 18 प्रतिनिधिमंडलों को पोंट डी'ऑस्टरलिट्ज से राष्ट्रों की परेड में शामिल किया गया। परेड का नेतृत्व आधुनिक ओलंपिक खेलों के संस्थापक देश ग्रीस ने अपने देश-थीम वाले परिधान में किया। ग्रीस ने एनबीए स्टार जियानिस एंटेटेकोउनम्पो को अपने पुरुष ध्वजवाहक के रूप में चुना, साथ ही महिला ध्वज वाहक के रूप में रेसवॉकर एंटीगोनी एनट्रिसम्पियोटी थीं।

सिंधु और कमल के नेतृत्व में भारत का उद्घाटन समारोह में जोरदार स्वागत

पेरिस। एजेंसी

ध्वजवाहक पीवी सिंधु और अनुभवी टेबल टेनिस स्टार शरत कमल की अगुवाई में 78 भारतीय एथलीटों और अधिकारियों का समूह शुक्रवार को पेरिस ओलंपिक 2024 के उद्घाटन समारोह में सीन नदी पर राष्ट्रों की परेड में पहुंचा। राष्ट्रों की परेड के दौरान, विशेष रूप से डिजाइन किए गए पारंपरिक परिधान पहने, भारतीय एथलीट और अधिकारियों ने प्रशंसकों की ओर हाथ हिलाया। भले ही पेरिस में बारिश हो रही थी, लेकिन भारत के एथलीटों और अधिकारियों का उत्साह कम नहीं हुआ। प्रतिष्ठित फ्रांसीसी मिडफील्डर ज़िनेदिन ज़िदान ने उद्घाटन समारोह की शुरूआत करने के लिए ओलंपिक मशाल लेकर एक पूर्व-रिकॉर्ड किए गए वीडियो में उपस्थिति दर्ज कराई। स्टेड डी फ्रांस से, उन्होंने दौड़ लगाई।

राष्ट्रों की परेड के दौरान भारत के प्रमुख एथलीट

तीरंदाजी : दीपिका कुमारी और तरुणदीप राय।
बैडमिंटन : पीवी सिंधु
मुक्केबाजी : लवलीना बोगोर्हेन
घुड़सवारी : अनुष अग्रवाल
गोल्फ : शुभंकर शर्मा
हॉकी : कृष्ण पाठक, नीलकांत शर्मा और जुगराज सिंह
जूडो : तूलिका
मानसेलिंग : विष्णु सरवनन और नेथरा कुमानन
शूटिंग : अंजुम मौदगिल, सिफ्त कौर समरा, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और अनीश।
तैराकी : श्रीहरि नटराज और धीनिधि देसिंघु
टेबल टेनिस : शरथ कमल और मनिका बत्रा
टेनिस : रोहन बोपन्ना, सुमित नागल और श्रीराम बालाजी।

वाणिज्य

इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रोत्साहन की योजना सितंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक परिवहन प्रोत्साहन योजना (ईएमपीएस) को दो महीने के लिए बढ़ाकर के साथ कुल परिव्यय को भी बढ़ाकर 778 करोड़ रुपये कर दिया। इस योजना को इस साल मार्च में भारी उद्योग मंत्रालय ने शुरू किया था। इसका उद्देश्य पूरे देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के उपयोग को बढ़ावा देना है। ईएमपीएस योजना मूल रूप से एक अप्रैल, 2024 से 31 जुलाई, 2024 तक चलने वाली थी, जिसका कुल परिव्यय 500 करोड़ रुपये था। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक इस योजना को दो महीने 30 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा योजना का परिव्यय भी बढ़ाकर 778 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इस योजना

का उद्देश्य सरकार की हरित पहलों को आगे बढ़ाना और देश में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण परिवेश के विकास को बढ़ावा देना है।

इस योजना के तहत पात्र ईवी श्रेणियों में पंजीकृत ई-रिक्शा एवं ई-कार्ट सहित इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहन शामिल हैं। आम लोगों के लिए किफायती और पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन विकल्प मुहैया कराने पर जोर देने के साथ यह योजना मुख्य रूप से उन ई-दोपहिया और ई-तिपहिया पर लागू होगी जो वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए पंजीकृत हैं। इसके अलावा निजी या कॉरपोरेट स्वामित्व वाले पंजीकृत ई-दोपहिया भी योजना के तहत पात्र होंगे।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.35 प्रतिशत उतरकर 76.44 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड भी 2.25 प्रतिशत की गिरावट लेकर 80.55 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

बीते सप्ताह एक फीसदी चढ़ा शेयर बाजार

- सेंसेक्स 1,292 अंक बढ़त के साथ 81,332 पर बंद
- निफ्टी 428.7 अंक बढ़त के साथ 24,834 पर बंद

मुंबई। एजेंसी

वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और उम्मीद से ज्यादा बेहतर अमेरिकी डेटा की वजह से बजट सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार ने तेजी बनाना जारी रखा। इस सप्ताह केंद्रीय बजट की घोषणाओं और इंडिया इंक के मिलेजुले नतीजों ने शेयर बाजार में उतार-चढाव जारी रखा। इस सप्ताह शेयर बाजार में एक फीसदी से ज्यादी तेजी दर्ज की गई। घरेलू शेयर बाजार के सप्ताह भर के कारोबार पर नजर डालें तो बजट पेश होने से एक दिन पहले सोमवार को शेयर बाजार का इंडेक्स सेंसेक्स 504 अंक गिरकर 80,100.65 अंक पर खुला और

102 अंक गिरकर 80,502 अंक पर बंद हुआ। जबकि एनएसई निफ्टी 50 168.6 अंक फिसलकर 24,362.30 अंक पर खुला और 21 अंक गिरकर 24,509 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 166.41 अंक की तेजी के साथ 80,668.49 अंक पर खुला और 73.04 अंक की गिरावट के साथ 80,429.04 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 59.65 अंक की बढ़त के साथ 24,568.90 अंक पर खुला और 30.30 अंक की गिरावट के साथ 24,479.00 पर बंद हुआ। बुधवार को विदेशी फंड की निकासी और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख ने भी घरेलू बाजारों के लिए खेल बिगाड़ दिया। कमजोर शुरूआत के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 233.7 अंक गिरकर 80,195.34 पर खुला और 280 अंक गिरकर 80,148 पर बंद हुआ।

एनएसई निफ्टी 73.45 अंक गिरकर 24,405.60 पर खुला और 65 अंक गिरकर 24,413 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 606.77 अंक की गिरावट के साथ 79,542 पर खुला और 109.08 अंक टूटकर 80,039 पर बंद हुआ।

निफ्टी 182.55 अंक की गिरावट के साथ 24,230 पर खुला और 7.40 अंक की मामूली गिरावट के साथ 24,406.10 अंक पर बंद हुआ। बीते कई दिनों की कमजोरी के बाद घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार की सुबह हरियाली दिखी। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 218.08 अंकों की बढ़त के बाद 80,234.64 पर खुला और 1,292.9 अंक की बढ़त के साथ 81,332.7 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 77.41 अंक मजबूत होकर 24,483.50 पर खुला और 428.7 अंक की बढ़त के साथ 24,834.8 अंक पर बंद हुआ।

पर्यावरण संरक्षण एवं सुरक्षा ही मानव जीवन की वास्तविक रक्षा जमील खान चौहान

राष्ट्रीय कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बेहतरीन अंदाज में किया गया वृक्षारोपण

पेड़ लगाना नबी ए करीम की पसंदीदा नेकीयों में से एक नेकी: इमाम जामा मस्जिद

चमकता राजस्थान

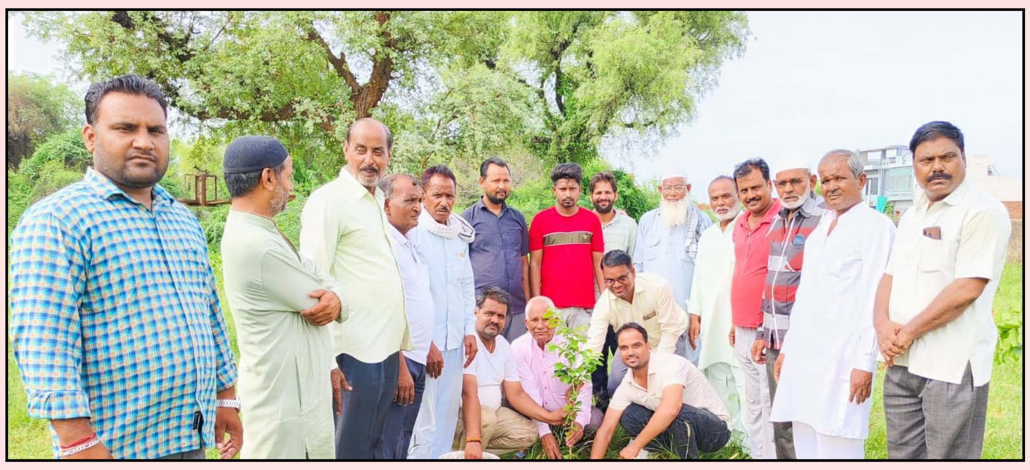

मनोहरपुर (खलील कुरैशी) जयपुर ग्रामीण की नगरपालिका मनोहरपुर के मोहल्ला तोपचीवाडा स्थित कब्रिस्तान में पर्यावरण संरक्षकों और प्रकृति प्रेमी समाजसेवियों ने राष्ट्रीय पावन अभियान एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम की मुबारक शुरुआत करी गयी उल्लेखनीय हैं कि एक पेड़ मां के नाम जनकल्याणकारी अभियान के तहत प्रत्येक नगर पालिका को सरकार ने 5 हज़ार पेड़ पौधे लगाने का जिम्मा सौंपा गया है इसी क्रम में मनोहरपुर नगरपालिका के तोपचीवाड़ा स्थिति कब्रिस्तान में करीब डेढ़ सौ और सारवान कब्रिस्तान में 900 पौधों का पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा।इस अवसर भाजपा पदाधिकारी एवं समाजसेवी रामप्रकाश नाई व संतोष माधानी ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्तमान में मानव जीवन की सुरक्षा और पर्यावरण की रक्षा के महत्व को समझते हुए राष्ट्रीय स्तर पर वृक्षारोपण अभियान को एक पेड़ मां के नाम से पावन कार्यक्रम को आह्वान कर सम्पूर्ण देशवासियों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण का आ''ान किया इसके अन्तर्गत ही एक पेड़ के नाम अभियान के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन हेतु मनोहरपुर के मोहल्लें तोपचीवाडा के कब्रिस्तान में मुस्लिम समुदाय के जागरूक नौजवानों और वरिष्ठजनों ने पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि शकंर प्रजापत की मौजूदगी में वृक्षारोपण आयोजित किया गया। और आगामी दिनों में व्याप्त स्तर पर वृक्षारोपण करने का आह्वान किया गया है।इस अवसर पर मनोहरपुर जामा मस्जिद इमाम मौलाना नसरुद्दीन ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए में कहा कि निश्चित रूप से पेड़ लगाकर मानवता की सेवा करना हमारे नबी को बहुत ज्यादा पसंद था अतः हमें हमारें प्यारें नबी हज़रत मोहम्मद सल्लाह ओ अलैहि वसल्लम साहब की सबसे पसंदीदा और बेहतरीन नेकीयों में से एक नेकी वृक्षारोपण कार्यक्रम को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना चाहिये और तथा प्रधानमंत्री के इस लोकहितवादी जनकल्याण से जुड़े समाजसेवी कार्यक्रम बढ़ावा देना चाहिए पेड़ लगाना, अगर सभी जागरूक शहरवासियों से अपने अपने क्षेत्र में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पेड़ लगाकर बड़ी संख्या में वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल सफल बनाया जाये इस दौरान जामा मस्जिद सदर जमील खान चौहान ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा की वृक्षारोपण से जीवनदायिनी ऑक्सीजन, फल ,फूल जड़ी-बूटियों ,ईंधन औषधि लकड़ियां,आदि प्राप्त करते हैं इसके साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़कर तोपचिवाडा और सारवान कब्रिस्तान में ₹एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान के तहत पावन और पुनित कार्यक्रम वृक्षारोपण आयोजित किया गया। इस मौके पर उपस्थित लोगो ने फलदार और छायादार पौधे लगाए.

ये प्रकृति प्रेमी एवं गणमान्यजन रहे मौजूद

» इस मौके पर जामा मस्जिद इमाम नसरूद्दीन साहब, मुफ्ती मुसाब आलम सदर जमील खान चौहान सलीम खान,असलम भाई ,नसरू खान, सरफराज चोहान, मुन्ना माइकल। इकबाल खान। सरफराज पार्षद रहीस खानजदा गुलाम रसुल सद्दाम भाजपा चेयरमैन प्रतिनिधी शंकर,संतोष माधाणी, उपेन्द्र आत्रेय ,महीपाल सिंह गुर्जर ,राम प्रकाश नाई, समाजसेवी रमेश गोयल,मुन्ना मणियार, हाजी बुंदू खा पढियार, रसीद एडवोकेट, सरफराज अल्प संख्यक मोर्चा अध्यक्ष सहित प्रकृति प्रेमी और वरिष्ठजन मौजुद रहे।

संक्षिप्त समाचार

सीएए का प्रचार करने पर बीजेपी की मुश्किलें बढ़ीं, पीएम मोदी सहित नेताओं के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर

प्रयागराज/एजेंसी। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का प्रचार करने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित भाजपा के शीर्ष नेताओं पर मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। इस पर राज्य सरकार को नोटिस दिया जा चुका है। याची अलीगढ़ के खुर्शीद-उर- रहमान ने इसी मामले को लेकर अलीगढ़ जिला न्यायालय में प्रार्थनापत्र दिया था, जिसे सीजेएम ने आठ जनवरी 2024 को खारिज कर दिया था। इस आदेश के विरुद्ध सेशन कोर्ट अलीगढ़ ने भी दाखिल निगरानी याचिका छह अप्रैल 2024 को खारिज कर दी थी। इन दोनों आदेशों को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका में प्रधानमंत्री, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह सहित कमल संदेश नामक पत्रिका के प्रकाशक और प्रबंधक और अन्य लोगों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई है। याची के प्रार्थना पत्र में कमल संदेश नामक पत्रिका में प्रकाशित लेख का हवाला दिया गया है। कहा गया है कि भाजपा के नेताओं ने साजिशन अपने हित में हिंसा, दंगा और धार्मिक भावनाएं भड×काने के लिए पद और शपथ का दुरुपयोग किया।

सीआरपीएफ स्थापना दिवस : पीएम मोदी ने फोर्स के अटूट समर्पण को सराहा

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स, सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरक्षाबलों को बधाई देते हुए देश की सुरक्षा में सीआरपीएफ की भूमिका को सर्वोपरि बताया।उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए अपने पोस्ट में कहा, सीआरपीएफ के स्थापना दिवस के अवसर पर सभी को मेरी शुभकामनाएं। राष्ट्र के प्रति उनका अटूट समर्पण और उनकी अथक सेवा वास्तव में सराहनीय है। वे हमेशा साहस और प्रतिबद्धता के उच्चतम मानकों के पक्षधर रहे हैं। हमारे देश को सुरक्षित रखने में भी उनकी भूमिका सर्वोपरि है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी सीआरपीएफ के स्थापना दिवस पर सुरक्षा बलों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं।

बता दें, सीआरपीएफ की स्थापना आजादी से पहले 1939 में अंग्रेजों ने की थी. तब इस बल का नाम क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस था। आजादी के बाद 28 दिसंबर, 1949 को संसद में एक अधिनियम लाकर इस बल का नाम केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल कर दिया गया। आजादी के बाद देशी रियासतों को भारत सरकार के अधीन लाने की जिम्मेदारी भी सीआरपीएफ को दी गई। सीआरपीएफ ने वीरता दिखाते हुए जूनागढ़, हैदराबाद, काठियावाड़ और कश्मीर जैसी रियासतों को भारत में शामिल कराने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। इन रियासतों ने भारत में शामिल होने से इनकार कर दिया था। इसके साथ ही राजस्थान, कच्छ और सिंध सीमाओं में घुसपैठ की जांच में सीआरपीएफ ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई।

सीआरपीएफ ने 21 अक्टूबर 1959 को चीन के हमले को नाकाम करते हुए देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। इस बलिदान की याद में हर साल 21 अक्टूबर को स्मृति दिवस मनाया जाता है।

इस बल ने 1962 में चीनी आक्रमण के दौरान अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सेना को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। इस आक्रमण में सीआरपीएफ के 8 जवान शहीद हुए थे।

धौलपुर जिले के बाड़ी उपखंड में राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण) की प्रमुख खबर जिला धौलपुर के बाड़ी उपखण्ड में राजस्थान नगरिया आधारभूत विकास परियोजना के चतुर्थ चरण के अंतर्गत शहर में आरयूआईडीपी के द्वारा वृक्षारोपण, पर्यावरण के प्रति जागरूक कार्यक्रम अधिशासी अभियंता गुमान सिंह सैनी व आदर्श विद्या मंदिर के प्रिंसिपल रामअवतार शर्मा के दिशा निर्देशन में वृक्षारोपण पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। वही अधिशासी अभियंता गुमानसिंह ने बताया कि प्रतिवर्ष प्रत्येक व्यक्ति को पांच वृक्ष लगाने चाहिए, ताकि पर्यावरण का संरक्षण किया जा सके, पर्यावरण से ही हमें, वह सभी चीजे उपलब्ध होती है, जिनका उपयोग करके आज मानव जीवित है! या आरामदायक जीवन बिता रहा है! इसलिए पर्यावरण संरक्षण करना हमारा कर्तव्य और जिम्मेदारी भी है। और वही आदर्श विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य राम अवतार शर्मा ने बताया कि मानव जीवन को बचाने के साथ पर्यावरण की सुरक्षा के उद्देश्य के लिए, हमें प्रत्येक घर में पांच पेड़ अवश्य लगाने चाहिए, इससे हमें पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, ग्रीन हाउस के प्रभाव, ग्लोबल वार्मिंग, ब्लैक होलआदि समस्याओं से निजात मिल सकेगी। इस मौके पर बाड़ी सामुदायिक विकास अधिकारी पंकज शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना है। आज के औद्योगीकरण के दौर में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई चिंता का विषय बना हुआ है। जिसके चलते दुनिया भर के ईको सिस्टम में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम में अधिशासी अभियंता गुमान सिंह सैनी, आदर्श विद्या मंदिर के प्रिंसिपल राम अवतार शर्मा व अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

सीआईडी विशेष जोन भरतपुर की टीम पर हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

भुसावर (राजवीर सिंह) थाना भुसावर के गांव पथैना में एक संदिग्ध सैन्यकर्मी की जांच के दौरान सीआईडी बिशेष जोन भरतपुर की टीम के साथ राजकार्य में बाधा उत्पन्न कर संदिग्ध सैन्यकर्मी को छुड़ा लेने के मामले में एक और आरोपी को गिरफतार किया गया है। मामले में तीन आरोपियों को पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है। गौरतलब है कि 4 मई को सीआईडी बिशेष जोन के पुलिस निरीक्षक रूपनारायण मीणा ने अपनी टीम के साथ गांव पथैना में संदिग्ध सैन्य कर्मी को डीटेन किया था लेकिन इसी दौरान संदिग्ध सैन्यकर्मी के परिजनों व गांव के अन्य व्यक्तियों द्वारा टीम के साथ धक्का-मुक्की कर राजकार्य में बांधा उत्पन्न करते संदिग्ध सैन्यकर्मी को बलपूर्वक टीम से छुडा लिया। मामले में भुसाबर थाना पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने 28 वर्षिय चन्द्रशेखर पुत्र राजसिंह जाट निवासी पथैना थाना भुसावर को गिरफ्तार किया है जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण बेटियों के लिए जरूरी-निधि बीटी 3 अगस्त को 2000 बेटियों को दिया जाएगा प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण

चमकता राजस्थान धौलपुर से रामदास तरुण की प्रमुख खबर

धौलपुर, 27 जुलाई को अशोक शर्मा जगन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से 3 अगस्त को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजाखेड़ा में बेटियों के लिए निःशुल्क प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर ट्रस्ट की ओर से जारी किए गए पोस्टर का जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी द्वारा ट्रस्ट के कार्यालय पर पूर्व विधायक बनवारी लाल शर्मा व ट्रस्ट की अध्यक्ष नीरजा अशोक शर्मा के साथ विमोचन किया गया! जिला कलेक्टर ने कहा कि राष्ट्रीय अभियान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को लेकर ट्रस्ट द्वारा बहुत ही महत्वपूर्ण पहल की जा रही है जिसके अंतर्गत 2000 बेटियों को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया जाएगा साथ ही प्राथमिक उपचार के रूप में बुकलेट उपलब्ध कराई जाएगी जिसमें प्राथमिक उपचार को लेकर संपूर्ण जानकारी का समावेश होगा यह आयोजन राष्ट्रीय अभियान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मैं संबल प्रदान करेगा ।

इसके अलावा समारोह के दौरान एक पौधा देश के नाम के अंतर्गत पौधा रोपण भी किया जाएगा!अशोक शर्मा जगन चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्ष नीरजा अशोक शर्मा ने बताया कि प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण शिविर में बेटियों को प्रशिक्षण सहभागिता का प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाएगा तथा उन्हें किट भी उपलब्ध कराई जाएगी हमारे क्षेत्र की बेटियों को आत्मनिर्भर बनाना है! जिससे वे समाज में सिर ऊपर करके राजाखेड़ा का नाम गौरवांवित कर सके। इस अवसर पर पूर्व विधायक बनवारी लाल शर्मा पूर्व जिला प्रमुख रामवती जाटव, केदार पोशवाल, रंजीत दिवाकर, पूरन कुशवाह, नाहर सिंह सरपंच, सुमित शर्मा, बनवारी सिसोदिया, समर्थ शर्मा, अशर्फी सिंह, रामवीर शर्मा, रामकिशोर शर्मा, मुकेश बघेल, मधुसूदन शर्मा, हुकम सिंह लोधा, गौरी शंकर, ब्रजेश मुखरैया, दिलीप पाराशर मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान, मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929